CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 130 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 2 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

भजनलाल सरकार चलाएगी 5 से 20 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान'

जल संरक्षण बनें जन आंदोलन प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी हो सुनिश्चितः भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा राजस्थान जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में जल संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमारी सरकार भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य के लिए राज्य सरकार 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाएगी। शर्मा ने कहा कि अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी से ही यह अभियान जन आंदोलन का रूप ले सकेगा। शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह सुखद संयोग है कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस तथा गंगा दशहरा एक ही दिन 5 जून को है। हम इस दिन हमारे अभियान की शुरूआत करेंगे और पर्यावरण संरक्षण को हमारी परम्परा और संस्कृति से जोड़ते हुए वंदे गंगा कलश यात्रा तथा जलाशयों पर पूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान में हर विभाग की भागीदारी सुनिश्चित हो और आपसी समन्वय के साथ सभी गतिविधियों को सुचारू रूप से सम्पन्न किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यों व गतिविधियों की मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन अपडेट ली जाए।

अभियान का हो व्यापक प्रचार

शर्मा ने अभियान का सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से पर्याप्त प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी के लिए जन प्रतिनिधियों, धर्म गुरुओं, राजीविका से जुड़ी महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जल संरक्षण की अपील करवाकर लोगों को जागरूक किया जाए। वीडियो फिल्म, गीत, नुक्कड नाटक आदि के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया जाए। आम लोगों को नर्सरियों में पौधों की उपलब्धता की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण कराया जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गांवों में होगी जल संरक्षण कार्य की शुरूआत

शर्मा ने कहा कि अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरूआत की जाए। ग्राम स्तर पर जल मित्र बनाकर अधिक से अधिक लोगों की इसमें सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों में भी इस अभियान को विशेष महत्व देते हुए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए।

राजकीय कार्मिकों की भागीदारी भी हो सुनिश्चित

शर्मा ने कहा कि जल संग्रहण संरचनाओं व जलाशयों की साफ-सफाई के कार्यों में स्वयं सेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों सहित अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर श्रमदान कराया जाए। जिला स्तर पर हर दिन अलग-अलग विभागों की ओर से संयुक्त श्रमदान कराया जाए। साथ ही, सरकारी कार्यालयों में जल संरक्षण के संबंध में संकल्प कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान भी किया जाए।

बारिश का पानी व्यर्थ बहकर ना जाए

शर्मा ने कहा कि इस अभियान के तहत नए जल संग्रहण व जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन कार्यों के साथ ही बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोकने के लिए बांध, ऐनिकट और नहरों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जाए, जिससे मानसून में बारिश के पानी का संग्रहण और भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 जून को कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत हुए कार्यों का लोकार्पण होगा और नए कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि इस अभियान के लिए भामाशाहों और सीएसआर फंडिंग के माध्यम से आर्थिक सहयोग लिया जाए।

एनआईए ने 8 राज्यों में एकसाथ की छापेमारी

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने पर कसा शिकंजा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार सुबह देशभर में एक बड़ा गोपनीय ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एनआईए ने 8 राज्यों दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में 15 ठिकानों पर छापेमारी की। राजस्थान में एनआईए की टीम ने तीन जगहों पर दबिश दी, हालांकि इन स्थानों का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, वहां से जासूसी नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच तेज़ कर दी गई है। एनआईए की टीमें संदिग्धों के घरों और कार्यालयों में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, कॉल डिटेल्स, फोटोज़, मैसेजेस और पैसों के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है। एनआईए ने इस ऑपरेशन की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ (पहले ट्विटर) के माध्यम से साझा की। एजेंसी का मानना है कि इस नेटवर्क के ज़रिए देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा था, जिसे समय रहते रोक लिया गया।

उत्तर-पूर्व में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाया कोहराम

सिक्किम में फंसे 1500 से अधिक पर्यटक; मणिपुर में 883 घर तबाह

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)।। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में अचानक आई बाढ़ ने राज्य में कहर बरपाया है और पिछले 48 घंटों में राज्य भर में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3802 लोग प्रभावित हुए हैं। इस दौरान 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी इंफाल के कई इलाके और इंफाल पूर्वी जिले के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। भारी बारिश की वजह से उफनती नदियों ने खुरई, हिगांग और चेकोन के इलाकों में तटबंध तोड़ दिए हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे ज्यादा प्रभावित जिले इंफाल ईस्ट में जलमग्न इलाकों से करीब 8000 लोगों को बचाया है। राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव पीके सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और समग्र स्थिति का आकलन किया। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार तक कुल 3275 इलाके या गांव भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। दो लोग घायल भी हुए हैं और 64 जानवरों की मौत भी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 12 भूस्खलन हुए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकोन क्षेत्र में इंफाल नदी के उफान पर आने के बाद ऑल इंडिया रेडियो इंफाल परिसर और सरकारी जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों के परिसर में जलभराव की खबर है। इसके साथ ही, उत्तरी सिक्किम में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन के कारण प्रमुख सड़कें अवरुद्ध होने से शनिवार को करीब 1500 पर्यटक फंस गए। इस बीच, शनिवार को हुई भारी बारिश के कारण 8 लापता पर्यटकों की तलाशी अभियान में बाधा उत्पन्न हुई।

एक दूसरे को नीचा दिखाने वाले डोटासरा-जूली संभाले अपना घरः मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि हमारे यहां कोई अंतर्कलह नहीं है। पता नहीं ये लोग कहां से कोई विषय लाते हैं। ये लोग हमारे यहां अंतर्कलह ढूंढ रहे हैं, अपना घर संभाल लें। ये लोग आपस में लड़ रहे हैं। डोटासरा, टीकाराम जूली को नीचा दिखाना चाहते हैं। जूली साहब, डोटासरा को नीचा दिखाना चाहते हैं। गोविंद सिंह डोटासरा ने तो सदन में ऐसा व्यवहार किया है कि वह शर्म के चलते विधानसभा नहीं जा रहे हैं। कांग्रेस अपना घर संभाले, उसके बाद दूसरों की बात करें। हमारे यहां सब कुछ व्यवस्थित चल रहा है। सारे काम ढंग से हो रहे हैं। हमारे काम की प्रशंसा हमारे नेतृत्व ने भी की है। मदन राठौड़ ने डोटासरा के उस बयान पर भी पलटवार किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार में मंत्रियों से ज्यादा तो हमारी चल रही हैं। राठौड़ ने कहा कि उनकी ज्यादा चल रही है तो उनको खुश होना चाहिए कि हमारे यहां कितनी पारदर्शिता हैं। उन्होंने कहा कि हमने तय कर रखा है कि प्रदेश का विकास होना चाहिए। लेकिन केवल मेरे कहने से ही नहीं, सबके कहने से विकास के काम होने चाहिए। हमने अधिकारियों को साफ निर्देश दे रखे हैं कि अच्छे काम हो, जनहित के काम हो। वह होने चाहिए, इसके लिए तो उनको हमें धन्यवाद देना चाहिए।

ट्रंप ने कोई पंचायती नहीं की

सीजफायर के सवाल पर विपक्ष के आरोपों को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ट्रंप ने भी बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि मेरी कोई मध्यस्थता नहीं है। मैने कोई सुझाव नहीं दिया, मेरी कोई पंचायती नहीं है। दूसरी बात हमारे नेतृत्व ने भी बहुत क्लियर किया है कि हमें किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं हैं, न ही किसी ने ऐसा किया। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने माफी मांगी। गिड़गिड़ा कर कहा कि हम आपकी शर्तों पर युद्ध रोकना चाहते हैं। बीकानेर से प्रधानमंत्री ने खुल्लम-खुल्ला पाकिस्तान को चुनौती दी थी। जिसे पाकिस्तान की जनता ने भी सुना। इससे ज्यादा स्पष्ट रूप से क्या कहे। विपक्ष संसद सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। अरे संसद सत्र तो आएगा ही। थोड़ा धैर्य रखो, तब तक मुद्दे एकत्रित करके रखो, उन्हें सदन में रखना। हर मौके पर संसद सत्र बुलाने की मांग रखना। इनके पास कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में संविधान की हत्या की है। एक बार नहीं कई मौके पर उन्होंने ऐसा किया है। हमारी चुनी हुई सरकारों को उन्होंने गिराया। देश में आपातकाल लगाया। भारत माता की जय बोलने पर लोगों को गिरफ्तार किया। आज यह हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं।

केन्द्रीय गृहमंत्री ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला

देश में शांति लेकिन बंगाल में दीदी के कारण अशांतिः शाह

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ममता सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनावी हिंसा बंद हो गई है, मगर बंगाल में चुनाव के समय और दीदी को विजय मिलने के बाद, सैकड़ों भाजपा के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतार दिया जाता है। आपका समय अब समाप्त हो गया है, 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली है। अमित शाह ने कहा कि बंगाल की इस धरती पर चुनाव के दौरान और दीदी के चुनाव जीतने के बाद, भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा भले ही खत्म हो गई हो, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है। दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने मुर्शिदाबाद हिंसा का जिक्र किया। मुर्शिदाबाद में हाल ही में हिंसा हुई। हमारा गृह मंत्रालय बार-बार कहता रहा कि BSF को बुला लीजिए, लेकिन इन्होंने नहीं बुलाया। क्योंकि अगर बीएसएफ आती, तो हिंदुओं की रक्षा होती। फिर भाजपा कार्यकर्ता हाई कोर्ट गए, तब जाकर BSF आई और हिंदुओं को बचाया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर टीएमसी नेताओं द्वारा की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया। अमित शाह ने कहा,वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। ममता बनर्जी ने ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं-बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना। अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर भी अमित शाह ने ममता सरकार पर निशाना साधा। बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

सीपी जोशी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए ताल ठोकी

कांग्रेस में 'कलह', बूढ़े नेता बन रहे युवाओं की राह में रोड़े

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कांग्रेस में कलह थमने का नाम ही नहीं ले रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी कांग्रेस पार्टी के लिए बूढ़े नेता ही अब रोड़ा बन गए हैं। राजस्थान में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सीपी जोशी ने हाल ही में खुद 'जवान' बताते हुए 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसके बाद राजस्थान कांग्रेस में प्रतिनिधित्व को लेकर नई बहस शुरू हो गई। पार्टी के युवा नेताओं में सीपी जोशी के बयान को लेकर असंतोष देखने को मिला है। इसके अलावा सीपी जोशी के ऐलान के बाद अब कांग्रेस नेतृत्व के सामने पार्टी के वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच संतुलन साधने की बड़ी चुनौती होगी। दरअसल, सीपी जोशी ने राजसमंद में कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' के दौरान कहा कि वे अगला चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने खुद जवान भी बताया। बड़ी बात है कि सीपी जोशी की उम्र 75 साल है। ऐसे में पार्टी के 75 वर्षीय नेता का इस तरह का ऐलान कांग्रेस में नई पीढ़ी की संभावनाओं को सीमित कर सकता है। सीपी जोशी के 2028 में चुनाव लड़ने का ऐलान कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं में उत्साह भरने का काम किया है कि जब जोशी चुनाव लड़ सकते हैं तो और कोई क्यों नहीं। इस समय कांग्रेस विधायक दल में चार नेता ऐसे हैं, जिनकी उम्र 80 साल को पार कर चुकी है। इनमें दीपचंद खेरिया (84), हरिमोहन शर्मा (83), शांति धारीवाल (82), और दयाराम परमार (80) शामिल हैं। विधायक दल के चार नेताओं के अलावा अशोक गहलोत (74), सुरेश मोदी (74), लक्ष्मण मीणा (75), हरेंद्र मिर्धा (76), भीमराज भाटी (78), श्रवण कुमार (71) और सीएल प्रेमी (71) जैसे नेता भी उम्रदराज होने के बावजूद सक्रिय राजनीति में हैं और भविष्य की चुनावी तैयारियों में जुटे हैं। वरिष्ठ नेताओं की ऐसी सक्रियता के बीच पार्टी के युवा नेताओं में नाराजगी और बेचैनी देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कई युवा नेता संगठन में '75 पार फॉर्मूले' को लेकर आशान्वित थे, लेकिन वरिष्ठ नेताओं की घोषणाओं ने इस उम्मीद को झटका दिया है। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि अगर नेतृत्व खुद बुजुर्ग नेताओं को दोबारा मैदान में उतारने को तैयार है, तो नई पीढ़ी को आगे लाने की बातें महज़ औपचारिकता बनकर रह जाएगी।

कांग्रेस नेतृत्व के सामने होगी बड़ी चुनौती

कांग्रेस नेतृत्व के सामने अब बड़ी चुनौती यह है कि वह वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और युवा नेताओं की आकांक्षाओं के बीच संतुलन कैसे साधे। पार्टी अगर 2028 के चुनाव में वापसी चाहती है, तो उसे स्पष्ट रणनीति बनानी होगी कि किन चेहरों को टिकट मिलेगा और किसे संगठनात्मक ज़िम्मेदारी दी जाएगी। वरना यह बहस आने वाले समय में पार्टी के लिए अंदरूनी संघर्ष और नेतृत्व की अस्पष्टता का कारण बन सकती है। ये बिल्कुल साफ़ है कि राजस्थान कांग्रेस में बुजुर्ग नेताओं का चुनावी मोह अभी टूटा नहीं है। सीपी जोशी जैसे नेताओं के ऐलान ने यह संकेत जरूर दे दिया है कि 2028 में भी टिकट के लिए भीतरखाने टकराव तय है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि युवा नेता कब तक इंतजार करेंगे और नेतृत्व उन्हें कितना स्पेस दे पाएगा।

CMYK

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन मंत्री संजय शर्मा ने किया जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेल अवसंरचनाओं का किया जा रहा है विस्तार - केंद्रीय मंत्री यादव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को सेंट ऐन्सलम स्कूल में जिला बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता (बालक-बालिका वर्ग) में खिलाडियों का उत्साहवर्धन कर प्रतियोगिता उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री यादव ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर जिले में खेल संस्कृति को बढावा देने एवं खिलाडियों को खेलों के माध्यम से मंच प्रदान करने हेतु अलवर सांसद खेल उत्सव आयोजित कराया गया जिसमें बडी संख्या में खिलाडियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अलवर सांसद खेल उत्सव एवं टाइगर मैराथन में उत्कृष्ट 700 छात्र-छात्राओं को 2 जून से एलआईटी कॉलेज में देश के बेहतरीन प्रशिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेलों को बढावा देने हेतु अलवर सांसद सम्पर्क यात्रा के माध्यम से गांव- गांव में यूथ क्लब बनाए जा रहे हैं जिनमें से अब तक 250 यूथ क्लब बना लिए गए हैं। इन यूथ क्लब को गेम्स क्लब के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। साथ ही जिले की विधानसभा क्षेत्रों में 10 खेल मैदान, भिवाडी में स्टेडियम निर्माण आदि कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने खेलों के कल्चर को विकसित करने हेतु इस बार टाइगर मैराथन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कराया जाएगा। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अलवर जिले ने देश को कई अंतरर्राष्ट्रीय खिलाडी दिए हैं जिन्होंने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अलवर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवांवित किया है। उन्होंने अलवर सांसद खेल उत्सव के माध्यम से ग्रामीण एवं खेल प्रतिभाओं को निखारने, खेलों के विकास के लिए 6.63 करोड की लागत से सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण कराने की स्वीकृति दिलाने, साईं के हॉकी सेंटर को यथावत रखने तथा बास्केटबाल सेंटर को पुनः प्रारम्भ करवाने के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव का आभार व्यक्त किया। इस दौरान अतिथियों ने विभिन्न राष्ट्र स्तरीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सम्मानित किया।

सांसद खेल उत्सव के समर कैम्प की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, भक्तमाला कथा कार्यक्रम में की शिरकत

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने चिकानी स्थित एलआईटी कॉलेज में आयोजित होने वाले अलवर सांसद खेल उत्सव के समर कैम्प के खेल मैदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि समर कैम्प में खिलाडियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इससे पूर्व उन्होंने ने अग्रवाल महासभा द्वारा आयोजित श्री भक्तमाल कथा को सुना एवं श्री श्री 108 गंगा दास वेदांती जी का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहाँ कि धार्मिक आयोजनो से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का संचार होता है और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, संजय नरूका, जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा, राजेन्द्र सैनी, पं धर्मवीर शर्मा, पं जलेसिंह, ऋषिराज शर्मा, अतुल किशोर गुप्ता, सुधीर माथुर, लक्ष्मेश सिंह, क्षितिज माथुर, महेंद्र गोयल, संजय खंडेलवाल, पुष्पेन्द्र चौधरी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में खिलाडी मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन क्रीडा शिविर का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। युवा खेल विकास समिति एवं क्रीड़ा भारती अलवर के संयुक्त तत्वावधान जिला बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समर कैंप लगाकर निशुल्क प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। जिसका शुभारंभ रविवार को खेल मैदानों से किया गया। समिति के सचिव रजनीश जैमन ने बताया कि यह शिविर 1 जून से 15 जून तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें हॉकी, बास्केटबॉल प्रताप स्कूल खेल मैदान, हैण्डबॉल, वॉलीबॉल ग्राम महुआ में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में अलवर जिले के खिलाड़ी प्रतिभागी रहे। इसमें कोच के रूप प्रक्षिण नवीन शर्मा हैण्डबॉल, बास्केटबॉल बलराम यादव, हॉकी रोहिताश यादव, वॉलीबॉल साजीद आदि रहेंगे। बैठक में मौजूद समिति अध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र शर्मा, क्रीड़ा भारती अध्यक्ष अरुण जोशी, कोषाध्यक्ष यश सोमवंशी, हरिओम गुर्जर, संजय चौधरी, लोचन यादव, दिपक भाया, रविराज सिंह, आशिष यादव, पुनित चौधरी, उम्मेद सिंह, शहजाद आदि रहे ।

बेजुबान पक्षियों के लिए लगाएं परिंडे

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण गर्मी में बेजुबां पक्षियों को हो रही परेशानी के मद्देनजर सेवाभावी संस्था लायंस क्लब राजगढ़ ने विभिन्न स्थानों पर 51 परिंडे लगाकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रांतीय चैयरमेन डॉ खेमसिंह आर्य ने बताया कि शेखा की बगीची हनुमान मंदिर, फैक्ट्री एरिया, मालाखेड़ा गेट सहित विभिन्न स्थानों पर 51 परिंडे लगाये गये। जिनमें संबंधित सदस्यों को प्रतिदिन पानी डालने के लिए अधिकृत किया गया इस मौके पर क्लब अध्यक्ष प्रदीप महावर, सचिव एड. भूपेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष राम निवास मीना, प्रांतीय चैयरमैन खेमसिंह आर्य, वीरेंद्र दाधीच , रामोतार बंसल, संजय राजस्थानी, लोकेश रावत, गिर्राज प्रजापत, भारत भट्ट सहित अनेकों क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन शिविर का हुआ समापन

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) राजगढ़ महिला समिति द्वारा चलाए जा रहे ग्रीष्मकालीन शिविर का रविवार को समापन किया गया। शिविर में बच्चों को डांस, जुडो कराटे, मेहंदी और सिलाई जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पदमा गोयल रही। कार्यक्रम में कृष्णा शर्मा, किरण दाधीच, संतोष शर्मा और सुनीता शर्मा उपस्थित रहीं। महिला समिति की अध्यक्ष मीतू आर्य, सचिव रमा आर्य ने बताया कि शिविर का उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में उपयोगी और रचनात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखना था। इस पहल के लिए महिला समिति की सराहना की जा रही है। सचिव रमा आर्य, संरक्षक नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष अरुणा मुखर्जी, अनिता, रेखा, रजनी, रोशन, अंजू, ममता, सुषमा एवं मीरा गोपालिया सहित अन्य सदस्य भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम देने पर निकाली विजय रैली

अलवर(निसं.)। वर्ष 2025 में कैरियर मेंकर के 10वीं 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम बहुत बेहतरीन रहे इन परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यार्थियों की खुशी के लिए कैरियर मेकर परिवार ने एक विजय जुलूस निकालकर सभी को सम्मानित किया। विजय रैली कैरियर मेकर के चंदन गुप्ता एवं अध्यक्ष मंजूलता गुप्ता ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैरियर मेकर के डायरेक्टर रवीश गोयल ने बताया कि पिछले 30 वर्षों में कैरियर मेकर का सबसे बेहतरीन परिणाम 2025 में आया है, इस वर्ष संस्था के सभी पुराने रिकॉर्ड्स टूट गए हैं। हमारे विद्यालय से दसवीं कक्षा के छात्र शिवांग सैनी को 98.83% अंक प्राप्त हुए तथा सोनम को 98% प्राप्त हुए हैं। यह परीक्षा परिणाम हमारी संस्था के सभी अध्यापकों एवं सभी विद्यार्थियों की मेहनत एवं कठोर परिश्रम का परिणाम है करियर में करके एकेडमिक डायरेक्टर विजय अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी कैरियर मेकर के अध्यापकों ने बताया कि कैरियर मेकर का अनुशासन, तथा बेहतरीन टीम की प्लानिंग के साथ पूरे वर्ष में प्रत्येक विद्यार्थियों पर ध्यान दिया जाता है, जिसकी वजह से बेहतरीन परीक्षा परिणाम प्राप्त होते हैं।

जल संग्रहण और जल संरक्षण अभियान के तहत 5 जून से 21 जून तक जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित होगी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जल संग्रहण और जल संरक्षण अभियान के तहत जिले में 5 जून से 21 जून तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि अभियान के तहत 5 जून को कम्पनी बाग अलवर से मिनी सचिवालय तक जल संरक्षण जागरूकता हेतु साइकिल रैली निकाली जाएगी एवं मिनी सचिवालय परिसर में 500 पौधों का रोपण किया जाएगा। इसी प्रकार 5 जून को ही जिले के सभी 1060 गांवों में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा निर्मित जल संरचनाओं पर जल पूजन/कलश यात्रा इत्यादि कार्यक्रम आयोजित कर 355 जल संरचनाओं का उद्घाटन किया जाएगा व पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 5, 6 व 11 जून को जिले के सभी ग्रामों में सभी जल ग्रहण संरचनाओं पर कलश यात्रा, जल पूजन एवं जल शपथ कार्यक्रम आयोजित कर तुलसी के पौधे वितरित किए जाएंगे तथा प्रत्येक शहरी निकाय में सभी जल ग्रहण संरचानाओं की साफ-सफाई/जीर्णोद्धार करवाया जाएगा एवं कलश यात्रा, जल पूजन एवं जल शपथ कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं 6 व 9 जून को सभी ग्रामों में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के 431 नवीन जल संरचनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, 7 व 8 जून को सभी विद्युत ट्रांसफार्मर स्थल पर साफ-सफाई, 9 व 13 जून को डब्ल्यूआरडी वर्क साइट्स के तहत विभाग के 4 बांधों की साफ-सफाई, श्रमदान, जलपूजन, जल शपथ कार्यक्रम होगा, 10 जून को जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के 205 पूर्व जल संरचनाओं का उद्घाटन होगा,12 जून को सभी वृक्षारोपण स्थलों पर हरियालो राजस्थान के अंतर्गत जिला अलवर को आवंटित 30 लाख पौधारोपण लक्ष्यों के विरूद्ध मृदा एवं गड्ढे तैयार करने का कार्य प्रारंभ होगा, 12 व 13 जून को जिले के सभी ग्रामों व शहरी क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स को भामाशाह/दानदाताओं/सीएसआर या किसी अन्य मद से सही करवाने, 14 जून को रूपारेल नदी नटनी का बारा में जल कुंभी हटाने का कार्य किया जाएगा, जन स्वास्थ्य विभाग के 21 जलाशय एवं 25 उच्च जलाशयों की साफ-सफाई कार्य होगा। उन्होंने बताया कि 17 जून को मुख्यमंत्री जल स्वावल बन अभियान 2.0 के द्वितीय चरण में चयनित ग्रामों में अभियान के अंतर्गत स्वीकृत नवीन जल संरचनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, 8 व 16 जून को जिले के स्थानीय रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड पर जल सेवा, 8 व 17 जून को शहर में ट्रेफिक स्थलों पर जल सेवा, 18 जून को जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित कर भामाशाह, सीएसआर कंपनी, जन सहयोगकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा, 20 जून को जिला स्तरीय पत्रकार कार्यशाला का आयोजन होगा, प्रति दिवस जल संरक्षण के संबंध में रैली, स्लोगन लेखन इत्यादि आईईसी गतिविधियां आयोजित होगी एवं श्रमदान, सीएसआर, भामाशाहों द्वारा जल संरचनाओं की साफ-सफाई, जीर्णोद्धार इत्यादि कार्य भी प्रति दिवस किए जाएंगे तथा 21 जून को जिले के प्रमुख पर्यटन व आबादी क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस गतिविधियां आयोजित होगी।

विधायक जसवंत यादव ने की विकास कार्यों की घोषणाएं

बहरोड़(निसं.)। क्षेत्र के सतत विकास और जनकल्याण की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव ने महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणाएं कीं डॉ. यादव ने बताया कि जल संकट से प्रभावित गांवों बसई और पीपली में पेयजल सुविधा को मजबूत करने हेतु नलकूप (बोरवेल) निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इन दोनों गांवों में जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी की समस्या से राहत मिलेगी इसके साथ ही, चावंडी और नानगवास गांवों में विधायक कोष से ?19 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की गई है। इन कार्यों में सड़क सुधार, नालियों का निर्माण तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं इस अवसर पर डॉ. यादव ने कहा, "जनता की सेवा और क्षेत्र का चहुंमुखी विकास मेरी प्राथमिकता है। हर गांव, हर घर तक सुविधाएं पहुंचाना हमारा संकल्प है। इन घोषणाओं से क्षेत्र में विकास की गति को और बल मिलेगा और जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर डॉ. यादव के साथ प्रधान सरोज बस्तीराम यादव, देवेन्द्र यादव पूर्व महामंत्री, शिवचरण यादव वरिष्ठ नेता, अश्विनी यादव मंडल अध्यक्ष, एडवोकेट प्रशांत यादव मंडल अध्यक्ष, राजू सिंह चौहान, सुरेंद्र यादव चेयरमैन, वेद सरपंच, जोगेंद्र सरपंच, बस्तीराम यादव प्रधान प्रतिनिधि, रामनरेश यादव जिला पार्षद, मनोज यादव जिला पार्षद, संजय मीर पार्षद, संजय शर्मा पार्षद, दिनेश यादव पूर्व डेलीगेट, राजेंद्र यादव पार्षद, अमित शर्मा पार्षद, अनिल यादव, कर्मवीर यादव, डॉ. जगत, अनिल पूर्व सरपंच आदि उपस्थित रहे।

शलोम विद्यालय ने प्रतिभाशाली बच्चों की निकाली रैली

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निस.) कस्बे के माचाड़ी मार्ग पर स्थित शेलोम इंग्लिश स्कूल में रविवार को दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में राजगढ़ कस्बे में लगातार 14 वर्षों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम का रिकॉर्ड बनाने पर प्रतिभाशाली बच्चों की रैली निकाली। रैली शेलोम स्कूल से प्रारंभ होकर गणेश पोल, चौपड़ बाजार, मेला का चौराहा, बस स्टैंड होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। विद्यालय के सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यालय के संस्थाप्रधान जोसफ राज ने कहा कि विद्यालय के छात्र दक्ष साहू ने 98.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राजगढ़ उपखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं विद्यालय की छात्रा सोनम बाई ने 95.83 प्रतिशत, नेहा ने 95.67 प्रतिशत, प्रिंस मीणा ने 95.33 प्रतिशत, हितेश शर्मा ने 95.00 प्रतिशत, प्रगति मीना ने 94.67 प्रतिशत, गजेंद्र मीना ने 94.50 प्रतिशत, मोनिका मीना ने 94.50 प्रतिशत, साक्षी मीना ने 93.83 प्रतिशत, आराध्या शर्मा ने 92.33 प्रतिशत, काव्यांश गुप्ता ने 92.00 प्रतिशत, बरखा सोनी ने 92.00 प्रतिशत, दिव्यांश जैमन ने 90.83 प्रतिशत, राजलक्ष्मी ने 90.83 प्रतिशत, तनीषा सैनी ने 90.67 प्रतिशत, प्राची चेयरवाल ने 90.33 प्रतिशत, कृतिका शर्मा ने 90.17 प्रतिशत अंक हासिल कर कस्बे का, विद्यालय का व अपने परिवार का नाम रोशन किया। विद्यालय के संस्था प्रधान डॉ. जोसेफ राज जिनको पिछले 30 वर्षों से इंग्लिश माध्यम की संस्था चलाने का अनुभव है ने बताया कि विद्यालय 14 साल से लगातार राजगढ़ क्षेत्र में शत प्रतिशत परिणाम दे रहा है। विद्यालय के 38 में से 17 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस वर्ष विद्यालय के दसवीं कक्षा के कुल 38 विद्यार्थियों में से एक विद्यार्थी ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की जबकि शेष 37 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से दसवीं कक्षा को उत्तीर्ण किया है। इस मौके पर विद्यालय की उपप्राचार्या कुंजुमोल जोसेफ, शशिभूषण शर्मा, पूनम गुप्ता, अनिल शर्मा, महेश बैरवा, नरेश शर्मा सहित अभिभावक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बाबा साहब ने शिक्षा का संदेश देकर शिक्षा को व्यक्ति व समाज के जीवन में परिवर्तन लाने का माध्यम बताया-केन्द्रीय मंत्री यादव

केन्द्रीय मंत्री यादव व राज्यमंत्री शर्मा ने एमआईए क्षेत्र के गांव डाढा में किया बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण तथा अंबेडकर नगर में मीना बालिका छात्रावास के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में की शिरकत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने रविवार को एमआईए क्षेत्र के गांव डाढा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण तथा अंबेडकर नगर में आदिवासी सेवा संस्थान द्वारा निर्माण किए जाने वाले मीना बालिका छात्रावास का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में संबोधन देते हुए कहा कि बाबा साहब का भारतीय संविधान के निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। बाबा साहब सदैव सामाजिक न्याय और सर्वांगीण आर्थिक विकास के लिए कार्यरत रहने की प्रेरणा देते हैं। बाबा साहब ने शिक्षा का संदेश देकर शिक्षा को व्यक्ति व समाज के जीवन में परिवर्तन लाने का माध्यम बताया। उन्होंने गांव में बाबा साहब के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए सामुदायिक भवन निर्माण एवं ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई हेतु ई-लाइब्रेरी निर्माण की घोषणा की।

बाबा साहब कहते थे जो समाज पढ़ेगा, वह आगे बढ़ेगा

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान की संरचना कर अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को मूलभूत अधिकार देलाने का कार्य किया। बाबा साहब कहते थे जो समाज पढ़ेगा, वह आगे बढ़ेगा। बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार, सामाजिक भेदभाव के अंत और वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित किया।

देश कि प्रगति में बालिका शिक्षा की अहम भूमिका

केंद्रीय मंत्री यादव ने मीना बालिका छात्रावास भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मीना समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में अहम मुकाम हासिल किया है, समाज में लगातार शिक्षा का प्रसार करना आवश्यक है। उन्होंने मीना बालिका छात्रावास में 51 लाख रुपए के नगद राशि के योगदान एवं ई-लाइब्रेरी, स्किल सेंटर व योग कक्ष हेतु आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत माता की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 15 जून से 30 जून तक देश भर के जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आमजन को योजनाओं का लाभ देने के लिए धरती आबा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में स्वागत के दौरान माला व साफा ना देकर पुस्तकें भेंट करें, उन पुस्तकों को ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित लाईब्रेरियों में पहुंचाया जाए, ताकि बच्चों को पढने के लिए अधिकाधिक पुस्तकें उपलब्ध हो सके।

मीना समाज का बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में विशेष योगदान रहा है

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मीना बालिका छात्रावास भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में मत्स्य प्रदेश की भूमि पर भगवान मीन को संबोधित करते हुए कहा कि मीना समाज का बालिका शिक्षा प्रोत्साहन में विशेष योगदान रहा है, इस छात्रावास में पढने वाली बेटियां भारत माता, समाज व परिजनों का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने छात्रावास में पानी उपलब्ध कराने के लिए 13.50 लाख रुपए की लागत से 200 एमएम बोरिंग करवाने की घोषणा की तथा समाज के मांगपत्र को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तक पहुंचा कर मांगों को पूरा कराने का प्रयास करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीना, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधायक मांगे लाल मीना, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व विधायक जयराम जाटव व बनवारी लाल सिंघल व सरस डेयरी के पूर्व चेयरमेन बन्नाराम मीणा, उप जिला प्रमुख ललिता मीना, संजय नरूका, ऋषि राज शर्मा, के एल मीणा, शीला मीणा, अमर सिंह मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध नागरिक एवं आमजन मौजूद रहे।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का अराई दौरा

शोक संतप्त परिवारों को दी सांत्वना, मांगलिक कार्यक्रमों में की शिरकत

जयपुर टाइम्स

किशनगढ़(निसं.) रविवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्रीभागीरथ चौधरी ने अजमेर जिले के अराई क्षेत्र का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुँचकर शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। मंत्री चौधरी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिजनों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसके साथ ही मंत्री चौधरी ने अराई क्षेत्र में आयोजित कई मांगलिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होकर संबंधित परिवारों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकार और जनसंपर्क ही जनप्रतिनिधि का वास्तविक दायित्व है, और इसी भावना से वे आमजन से सतत संवाद बनाए हुए हैं। अराई दौरे के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मंत्री से मुलाकात की और अपनी क्षेत्रीय समस्याएं, जैसे सड़क, पानी, सिंचाई, बिजली और कृषि से जुड़ी कठिनाइयों को उनके समक्ष रखा। मंत्री चौधरी ने समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसान और ग्रामीणों के जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। क्षेत्रीय विकास के लिए वे स्वयं प्रतिबद्ध हैं और हर मंच पर आमजन की आवाज बुलंद करते रहेंगे। दौरे के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी रही।

फर्जी डॉक्टर ने लगाया इंजेक्शन, युवक के पैर काटने की नौबत, पिता ने लगाए गंभीर आरोप, वीडियो भी पेश किया

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.) पुष्कर निवासी जयसिंह रावत ने डायग्नोस्टिक सेंटर संचालकों पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि खुद को डॉक्टर बताने वाले दो व्यक्तियों ने उनके बेटे प्रकाश रावत (17) के फ्रैक्चर का लापरवाहीपूर्ण इलाज किया, जिससे अब उसके पैर को काटने की नौबत आ गई है। उन्होंने इस संबंध में एसपी ऑफिस पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई और वीडियो सबूत भी सौंपा। जयसिंह रावत ने बताया कि 7 मई को प्रकाश का सड़क हादसे में पैर फ्रैक्चर हो गया था। उसे अजमेर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां एक्सरे के लिए बाहर भेजा गया। प्रकाश के दोस्त उसे पुष्कर स्थित जेएमडी मेडिकल स्टोर व डिजिटल एक्सरे सेंटर लेकर गए। वहां मौजूद विजय सिंह रावत और राजेन्द्र सिंह रावत ने खुद को डॉक्टर बताया और कहा कि छोटा सा फ्रैक्चर है, एक सप्ताह में ठीक हो जाएगा। आरोप है कि दोनों ने प्रकाश के घुटने में इंजेक्शन लगाया, पैर पर नीला पट्टा बांधा और घर भेज दिया। लेकिन कुछ दिनों में पैर में सूजन, तेज दर्द और फफोले हो गए। जब दुबारा विजिट की गई, तो हालत और बिगड़ चुकी थी। जयसिंह ने बताया कि बाद में प्रकाश को वैशालीनगर के एक डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां से उसे जेएलएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। जेएलएन अस्पताल में जांच के दौरान सामने आया कि पैर की नसें ब्लॉक हो चुकी हैं, खून का संचार बंद हो गया है और संक्रमण फैल चुका है। डॉक्टरों के अनुसार यदि तत्काल सर्जरी नहीं हुई तो पैर काटना पड़ सकता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, वहीं आरोपी संचालकों ने खुद पर लगे आरोपों को नकारते हुए कहा कि उन्होंने केवल जांच की थी, इलाज नहीं किया। जयसिंह ने पुष्कर थाने में भी रिपोर्ट दी है और न्याय की मांग की है।

पिंकसिटी प्रेस क्लब समर कैम्प का जोरदार आगाज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पिंकसिटी प्रेस क्लब ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि शिविर का जोरदार आगाज रविवार को प्रेस क्लब सभागार में किया गया। समर कैम्प शुभारम्भ के अवसर पर खाद्य एवं सुरक्षा के अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए बताया कि इस तरह के आयोजन से बच्चों के व्यक्तित्व में सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने प्रतिभागियों को डे वाई डे सीखने की प्रेरणा दी। 10 दिवसीय समर कैम्प शुभारम्भ के अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि बाल अभिरूचि शिविर के माध्यम से क्लब परिवार के बच्चों को विभिन्न विधाओं में पारंगत करना है ताकि वे भविष्य में किसी भी मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सके। शिविर में कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, उपाध्यक्ष परमेश्वर प्रसाद शर्मा शिविर संयोजक अनिता शर्मा कार्यकारिणी सदस्य निखलेश शर्मा, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, विकास आर्य, ओमवीर भार्गव, वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप सिंह शेखावत, राजकुमार शर्मा, वरिष्ठ रंगकर्मी राजेन्द्र शर्मा राजू सहित अनेक पत्रकार एवं परिजन उपस्थित थे।

दिल्ली गई महिला डॉक्टर के सूने घर में चोरी, जेवरात और कीमती सामान ले उड़े चोर

अजमेर(निसं.)।। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सावित्री कॉलेज के पास स्थित डॉ. आशा जॉनसन के मकान में उस समय चोरी हुई, जब वह अपनी बेटी से मिलने दिल्ली गई हुई थीं। चोर घर के ताले तोड़कर जेवरात सहित कीमती सामान लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी शम्भूसिंह ने बताया कि सोमवार सुबह डॉ. जॉनसन की पड़ोसी और रिश्तेदार ने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा। संदेह होने पर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जांच शुरू की।

जाहरवीर गोगा जी की धरा पवित्र और पौराणिक: देवनानी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। यहाँ के खिलाडी इंटरनेशनल स्तर पर प्रतिभा दिखा रहे हैं । कार्यक्रम में आईएमए प्रदेशाध्यक्ष एम. पी. शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल कडेला, एसीबीओ रजनीश गोदारा, एडीपी ओमप्रकाश आर्य, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बलवीर बिश्नोई, भाजपा नेत्री गुलाब सिंवर, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार हिसारिया, सुमित रिणवा, नगर मंडल अध्यक्ष प्रकाश तंवर, सुशील गोदारा, अरविन्द लखासर, महावीर मेहला, बजरंग दल विश्व हिन्दू परिषद् प्रान्त सह सयोंजक आशीष पारीक, स्वदेशी जागरण मंच जिला अध्यक्ष विजय कौशिक, अश्विनी नारंग, सुभाष बंसल, हेमंत गोयल, शिव कुमार शर्मा, डॉ. आदित्य चावला, बलकरण सिंह, उद्योग समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंगला, पदम जैन आदि उपस्थित रहे । मंच संचालन भीष्म कौशिक ने किया ।

हनुमान से हनुमानगढ़ और गंगा से गंगानगर

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह क्षेत्र पवित्र और पौराणिक है ह्व यहाँ पर लुप्त सरस्वती नदी और हडप्पाकालीन सभ्यता के अवशेष मिले हैं । उन्होंने हनुमानजी की हनुमानगढ़ से और माँ गंगा की गंगानगर से समानता करते हुए कहा कि दोनों जिलों के नामों में भी इतनी पवित्रता है कि मन सात्विक हो जाता है ह्व दोनों जिले सीमावर्ती हैं इसलिए यहाँ के लोगो को सेना का मनोबल बढाने के साथ-साथ समाज में छिपे बैठे कंटको पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हमारा देश भारत एक भावनात्मक देश है । इसलिए हमे इमोशन के साथ एआई पद्धति को अपनाना होगा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जहाँ आंतकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर चलाकर माता-बहनों का मान बढ़ाया वहीँ माँ के नाम एक पेड़ मुहीम चलाकर मातृत्व का सत्कार किया । देश हित में कभी भी प्रमाण नहीं मांगना चाहिए बल्कि विश्वास करना चाहिए ह्व पीएम ने विदेशों में टोलियाँ भेजकर हमारी नीति को खुलकर बताया यह कदम सराहनीय है ।

वासुदेव को भेंट किये वासुदेव

खुशाल दास विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को सम्मान प्रतीक के साथ वासुदेव भगवान (श्री कृष्ण) की अलौकिक छवि वाली सुन्दर श्वेतवर्ण प्रतिमा श्री गुरु गोबिंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबूलाल जुनेजा, मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, पूर्व सांसद व मंत्री निहाल चंद, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप, पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, अनुसूचित जनजाति भाजपा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, विधायक गणेश राज बंसल, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र पारीक, काशीराम गोदारा, भाजपा नेता अमित सहू, भाजपा नेता व समाज सेवी देवेन्द्र अग्रवाल, रिटायर्ड आई जी गिरीश चावला, कुलपति प्रो. डॉ. आर. ए. मीणा, कुलसचिव प्रो. आशुतोष दीक्षित, पैरामेडिकल विभाग के प्रिंसिपल जी.आर.शर्मा, सिन्धी समाज के अध्यक्ष रेवाराम नंदा आदि अतिथियों ने भेंट की ।इसके अलावा निजी शिक्षण शिक्षा संघ, सिख समाज, सिन्धी समाज सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं ने भी विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का सम्मान किया ।

अकबर नहीं महाराणा प्रताप थे महान

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज मैं जाहर वीर गोगा जी की धरा पर आया हूँ श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय में जिस उत्साह और उमंग से मेरा स्वागत हुआ, मैं अभीभूत हूँ राज्य सरकार 200 से अधिक वीर और विरांगनाओं के वर्णन को पाठ्य पुस्तकों में जोड़ा है अकबर को तोड़ा और महाराणा प्रताप को जोड़ा अकबर आज कैसे महान हो सकता है क्योंकि महान तो महाराणा प्रताप थे उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन, बान और शान के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया लेकिन कभी भी प्रताप को महान नहीं बताना निंदनीय रहा ।

जयपुर में 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का सफल आयोजन

प्रशासन, पुलिस और नागरिकों का बेहतर समन्वय देखने को मिला

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के निर्देशों के तहत जयपुर में शनिवार को 'ऑपरेशन शील्ड' के अंतर्गत मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में किया गया, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, चिकित्सा विभाग, एसडीआरएफ, ईआरटी, एटीएस समेत विभिन्न एजेंसियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शाम 5 बजे जयपुर कलक्ट्रेट स्थित नियंत्रण कक्ष में "एयर स्ट्राइक" की सूचना मिलते ही सायरन बजा और समस्त एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं मौके पर पहुंचे और पूरे मॉक ड्रिल की मॉनिटरिंग की। संभागीय आयुक्त पूनम एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप भी इस दौरान उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल में विभिन्न एजेंसियों द्वारा त्वरित रिस्पॉन्स दिया गया। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, नागरिक सुरक्षा कर्मियों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और चिकित्सा दल ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाया। ईआरटी, एसडीआरएफ और एटीएस ने पूरे परिसर की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। रात 8.15 बजे ब्लैक आउट की घोषणा होते ही जदुनाथ विहार, भारतेंदु नगर, जसवंत नगर और खातीपुरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। आमजन ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए स्वेच्छा से अपने घरों व वाहनों की लाइट बंद कीं। यातायात पुलिस ने वाहनों को रोका और लाइटें बंद करवाने में सहयोग किया। डॉ. सोनी ने नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ ब्लैक आउट का पालन करने पर धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसी तैयारियां आपात स्थितियों में जनजीवन की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस आयोजन में सभी विभागों ने शानदार समन्वय और त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन किया। इस तरह जयपुर में 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का सफल क्रियान्वयन हुआ, जो भविष्य में किसी भी आपदा या आपात स्थिति से निपटने की प्रशासनिक तैयारियों का परिचायक है।

20 दिन से जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल, कस्बे में चहुं ओर गन्दगी का आलम

जिम्मेदार मौन !जनता की तकलीफ़ सुनेगा कौन?

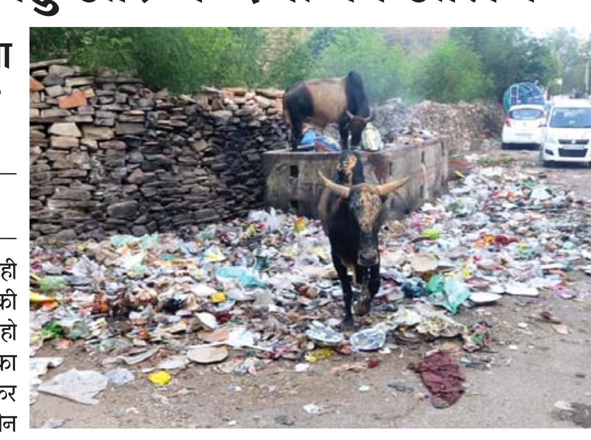

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। कस्बे में चल रही नगरपालिका के सफाईकर्मियों की हड़ताल को रविवार को 20 दिन पूरे हो गए।कस्बे में चहुं ओर गन्दगी का आलम हैं।लेकिन प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधि और सभी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं।सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्षी दल के पदाधिकारियों ने भी खामोशी अख्तियार की हुई हैं।कोई भी इस समस्या के समाधान और विकल्प को लेकर मुंह खोलने को तैयार नहीं हैं।ऐसा लगता हैं कि कस्बे के बाशिंदों की तकलीफ़ से किसी को कोई सरोकार नहीं हैं। खास कर परकोटे के अंदर और कुछ बाहरी बस्तियों में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।नगरपालिका द्वारा वाहनों के जरिए घर-घर से कचरा संग्रह कर व्यवस्था बनाए रखने का भरसक प्रयास किया जा रहा हैं।ताकि गन्दगी में और इज़ाफ़ा न हो।लेकिन गली-मोहल्लों और आम रास्तों पर इन 20 दिनों में जमा कूड़े-करकट के ढेर,सड़कों पर फैले हुए कचरे के साथ ही कीचड़ से ठसाठस भरी नालियां और इनसे उठती सड़ांध अब भी आमजन के लिए तकलीफदेह साबित हो रहे हैं।इस कचरे का निस्तारण और नालियों की सफाई बेहद जरूरी हो गई हैं।इस बीच रविवार को कस्बेवासियों द्वारा स्वप्रेरणा से परकोटे के अंदर अपने घरों के आसपास सफाई किए जाने की जानकारी भी सामने आई हैं।लोगों का सुझाव हैं कि प्रशासन, नगरपालिका और जनप्रतिनिधियों को सफाईकर्मियों के साथ एक बार पुन: वार्ता के सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए। ताकि ये गतिरोध खत्म हो सके।कस्बेवासियों की मांग हैं कि इस बार वार्ता बंद कमरे के बजाय खुले में हो जहां प्रशासन, नगरपालिका व जनप्रतिनिधियों के साथ ही आमजन बड़ी तादाद में शरीक रहे और अपनी तकलीफों का इजहार करने के साथ ही सुझाव भी दे सकें।साथ ही इस बात से भी पर्दा उठ सके कि बारबार होने वाली हड़ताल के लिए जिम्मेदार कौन हैं? लोगों का ये भी कहना हैं कि जब तक हड़ताल खत्म न हो तब तक के लिए शीघ्र ही माकूल वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए।वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना हैं कि 'मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी' अभियान व्यापक स्तर पर फिर से शुरू किया जाए।जो सतत जारी रहे और मात्र फोटो खिंचाओं अभियान बन कर न रह जाए।इस अभियान की सार्थकता तभी साबित होगी जब प्रशासन,नगरपालिका व जनप्रतिनिधियों द्वारा इसमें जनसहभागिता के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास किए जाएंगे। ताकि गन्दगी का दंश झेल रहे कस्बे के बाशिंदों को राहत मिल सके।

शासन सचिव राजन विशाल ने टोंक में कृषि संकल्प अभियान शिविर में लिया भाग, किसानों से किया संवाद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शनिवार को टोंक जिले के चबराना में आयोजित "विकसित कृषि संकल्प अभियान" शिविर में भाग लेकर किसानों से संवाद किया और उन्हें मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए समाधान के लिए कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को निर्देशित किया। विशाल ने शिविर में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाले आदानों और उन्नत तकनीक की जानकारी से ही कृषि लागत घटाई जा सकती है और उपज को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों की ज़रूरतों के अनुसार अनुसंधान कर व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करें और शिविर में मिले सुझावों व नवाचारों को संकलित कर आगे की कार्य योजना बनाएं। इसके अलावा शासन सचिव ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर, टोंक और कृषि विभाग कार्यालयों का निरीक्षण किया। ऑडिटोरियम का जायजा लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सीटों पर स्पीकर लगाए जाएं, परिसर में कैमरे नियमित रूप से चालू रहें, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने नव निर्मित ऑडिटोरियम के उपयोग के लिए निजी संस्थाओं को भी आमंत्रित करने का सुझाव दिया, जिससे राजस्व प्राप्त किया जा सके। निरीक्षण के दौरान वहां स्थित एक्वेरियम की भी समीक्षा की गई और खाली जगहों के सौन्दर्यकरण के निर्देश दिए। राजन विशाल ने किसानों को भरोसा दिलाया कि कृषि विभाग उनकी समस्याओं के समाधान और अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

अरांई पंचायत समिति उपचुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला, 4770 मतदाता चुनेंगे नया प्रतिनिधि

जयपुर टाइम्स

किशनगढ़(निसं.) अरांई पंचायत समिति के वार्ड संख्या 6 में 8 जून को होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस, भाजपा और एक निर्दलीय प्रत्याशी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। नामवापसी की अंतिम तिथि के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। यह सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित है और 1 जून 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक के कार्यकाल के लिए सदस्य चुना जाएगा। उपखंड अधिकारी निशा सहारण ने जानकारी दी कि उपचुनाव के लिए कुल 6 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे, जिनमें से 3 प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिए। अब भारतीय जनता पार्टी से अमरी पत्नी कालू, कांग्रेस से छोटिया पत्नी कालू और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मोना शर्मा पत्नी राजेन्द्र प्रसाद शर्मा मैदान में हैं। सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं। उपचुनाव के लिए मतदान 8 जून को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 9 जून को प्रातः 9 बजे से पंचायत समिति मुख्यालय पर की जाएगी। उपचुनाव की जिम्मेदारी किशनगढ़ तहसीलदार अजीत कुमार बुंदेला को सौंपी गई है, जिन्हें जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वार्ड संख्या 6 में आकोड़िया के वार्ड 1 से 11 और गोठियाना मंडावरिया के वार्ड 1 से 4 शामिल हैं। इस उपचुनाव में कुल 4770 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें आकोड़िया के 1903 पुरुष व 1757 महिलाएं तथा मंडावरिया के 567 पुरुष व 543 महिला मतदाता शामिल हैं। पूर्व में इस वार्ड से शिल्पा बड़ड़ निर्वाचित हुई थीं, लेकिन इस्तीफे के कारण यह सीट रिक्त हो गई, जिससे उपचुनाव की नौबत आई।

जयपुर में राहत का दूसरा नाम बना रास्ता खोलो अभियान

जिले में खुलवाए गए 1 हजार 182 रास्ते, लाखों ग्रामीणों की राहें हुईं आसान

फागी अव्वल...सर्वाधिक 102 रास्ते खुलवाए, चौमूं में प्रशासन ने खुलवाए 82 रास्ते

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में संचालित रास्ता खालो अभियान अब ग्रामीणों एवं किसानों के लिए राहत का दूसरा नाम बन गया है। 7 महीने से भी कम समय में जयपुर जिले में बरसों से बंद एक हजार 182 रास्ते खुलवाकर लाखों ग्रामीणों की खेतों एवं गांवों की राह आसान की है। जयपुर जिले में रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान के तहत रास्ते खुलवाने के मामले में फागी अव्वल है जहां सर्वाधिक 102 रास्ते खुलवाए गए हैं तो वहीं, चौमूं में प्रशासन ने 85 रास्ते खुलवा कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की है। अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाकर लाखों ग्रामीणों को राहत प्रदान की जा रही है। रास्ता खोलो अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े एक हजार 182 रास्ते खुलवाए गए हैं। उन्होंने ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 31 मई 2025 तक अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 64 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 54 रास्ते, आंधी तहसील में 62 रास्ते, बस्सी तहसील में 62 रास्ते, तूंगा तहसील में 44 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 73 रास्ते, जोबनेर तहसील में 65 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 55 रास्ते, फुलेरा तहसील में 63 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 50 रास्ते, जालसू तहसील में 41 रास्ते, सांगानेर तहसील में 26 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 68 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 49 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 65 रास्ते, दूदू तहसील में 61 रास्ते एवं मौजमाबाद तहसील में 81 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

भूख के साए में

गौरतलब है कि अदालत 'स्वराज अभियान' द्वारा वकील प्रशांत भूषण के माध्यम से डाली गई याचिका पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही थी। प्रस्तुत याचिका में भारतीय मौसम विभाग के हवाले से जारी उन आंकड़ों की तरफ इशारा किया गया था जिनमें यह स्पष्ट किया गया है कि देश के कई जिलों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। इन आंकड़ों के मुताबिक बिहार के बारह, उत्तर प्रदेश के बत्तीस, पंजाब के ग्यारह और गुजरात के ग्यारह जिलों में कम बरसात हुई है। इन तथ्यों को रेखांकित करते हुए उसने सरकार से यह जानना चाहा कि क्या उसने इस संबंध में राज्यों को कोई दिशा-निर्देश जारी किया है। अदालत इस तथ्य को जानकर भी चिंतित थी कि भूख की समस्या से पार पाने के लिए बने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत- जिसके अंतर्गत जिला स्तर पर शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करने का आदेश है - अभी तक महाराष्ट्र सरकार ने कोई नियुक्तियां नहीं की हैं।

अभी चंद रोज पहले (सोलह अक्तूबर) को वर्ल्ड फूड डे अर्थात 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया गया, जिसके जरिए मानवता ने भूख के खिलाफ संघर्ष के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। एक क्षेपक के तौर पर बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में बने खाद्य एवं कृषि संगठन की 1945 में इसी दिन स्थापना हुई थी। यह अलग बात है कि पहली दफा यह दिवस 1979 में मनाया गया। इसे महज संयोग कहा जा सकता है कि चंद रोज पहले ही ग्लोबल हंगर इंडेक्स अर्थात वैश्विक भूख सूचकांक के आंकड़े जारी हुए, जिन्होंने इस सच्चाई की तरफ नए सिरे से इशारा किया कि दुनिया में भूख की समस्या कितनी विकराल है, किस तरह हर साल पचास लाख बच्चे कुपोषण से काल-कवलित होते हैं, किस तरह गरीब मुल्कों के दस में से चार बच्चे उसी के चलते कमजोर शरीरों और दिमागों के साथ बड़े होते हैं। ध्यान रहे, भूख सूचकांक कुछ पैमानों को मद्देनजर रख कर तय किया जाता है। आबादी में कुपोषितों का प्रतिशत, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में अल्पविकसित तथा कमजोर बच्चे और उसी आयु वर्ग में शिशु मृत्यु दर आदि। विश्व भूख सूचकांक में, जिसमें 118 देशों की रैंकिंग की गई, भारत 97वें नंबर पर है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों की स्थितियां भारत से अधिक अच्छी हैं। भारत पर ज्यादा मुग्ध रहने वालों को थोड़ा सुकून इस बात से मिल सकता है कि भारत से अधिक खराब रैंकिंग पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सब सहारन अफ्रीका के मुल्कों तथा उत्तरी कोरिया की है। फिलवक्त भारत की इस स्थिति में कोई खास बदलाव मुमकिन नहीं दिखता क्योंकि भारत का कृषि विकास और अनाज उत्पादन ढलान पर है। भारत भले अब कृषि अर्थव्यवस्था न हो, मगर ग्रामीण भारत का खासा हिस्सा मुख्यत कृषि पर आश्रित है और गरीबी रेखा के नीचे जी रहा है। विडंबना यह है कि सरकार इस मसले पर या तो गाफिल है या उसे जिस हद तक सक्रिय दिखना चाहिए, नहीं है। वैश्विक भूख सूचकांक जारी होने के कुछ रोज पहले सर्वोच्च अदालत द्वारा केंद्र सरकार को दी गई चेतावनी इसी की बानगी कही जा सकती है, जिसमें अदालत ने सरकार से साफ कहा कि वह बीते साल की गलती न दोहराए तथा समय रहते अकाल की घोषणा कर दे और उसके अनुरूप कदम उठाए। उसने केंद्र सरकार को साफ चेताया कि वह 'आग लगने पर कुआं खोदने जैसा उद्यम न करे।'

गौरतलब है कि अदालत 'स्वराज अभियान' द्वारा वकील प्रशांत भूषण के माध्यम से डाली गई याचिका पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही थी। प्रस्तुत याचिका में भारतीय मौसम विभाग के हवाले से जारी उन आंकड़ों की तरफ इशारा किया गया था जिनमें यह स्पष्ट किया गया है कि देश के कई जिलों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। इन आंकड़ों के मुताबिक बिहार के बारह, उत्तर प्रदेश के बत्तीस, पंजाब के ग्यारह और गुजरात के ग्यारह जिलों में कम बरसात हुई है। इन तथ्यों को रेखांकित करते हुए उसने सरकार से यह जानना चाहा कि क्या उसने इस संबंध में राज्यों को कोई दिशा-निर्देश जारी किया है। अदालत इस तथ्य को जानकर भी चिंतित थी कि भूख की समस्या से पार पाने के लिए बने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत- जिसके अंतर्गत जिला स्तर पर शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करने का आदेश है - अभी तक महाराष्ट्र सरकार ने कोई नियुक्तियां नहीं की हैं, जबकि कुछ आदिवासी-बहुल जिलों में भूख से मरने के समाचार हैं। मिसाल के तौर पर पालघर के 'पालक मंत्री' विष्णु सवारा को स्थानीय आदिवासियों ने बताया था कि जनवरी 2015 से इस इलाके में भुखमरी से छह सौ से अधिक बच्चे काल-कवलित हुए हैं।

श्न उठता है कि आखिर बीते साल की सरकार की किस गलती की तरफ सर्वोच्च अदालत इशारा कर रही थी? गौरतलब है कि जिन दिनों मोदी सरकार ने अपनी हुकूमत के दो साल पूरे किए और उसे लेकर पूरे भारत में जश्न मनाया, जिसमें कई सितारों को भी आमंत्रित किया गया था, उसके कुछ समय पहले स्वराज अभियान की ही याचिका पर हस्तक्षेप करते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा था कि देश के लगभग तीस फीसद भाग में सूखा पड़ा है और सरकार कुछ नहीं कर रही है। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने इस बात को आधिकारिक तौर पर स्वीकारा तक नहीं था कि सूखे की व्यापकता इतनी अधिक है, उसे लेकर ठोस कदम उठाने की बात तो दूर रही। ग्यारह मई के उस अपूर्व आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र व राज्य सरकारों को यहां तक निर्देश दिए थे कि वे सूखाग्रस्त इलाकों में क्या कदम उठाएं। अन्न की उपलब्धता को लेकर तथा कोई व्यक्ति भले ही गरीबी रेखा के नीचे की सूची में हो या न हो या उसके पास राशन कार्ड न भी हो तो भी वह उसका लाभ उठा सके, इसके लिए अदालत ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उनके लिए अनाज उपलब्ध कराने की बात कही थी। लेकिन विडंबना यह कि किसी भी राज्य ने इस पर अमल नहीं किया था। क्या ही अच्छा होता कि कुछ वक्त पहले अपनी कर्मण्यता को लेकर शीर्ष अदालत की डांट खा चुकी सरकार एलान करती कि चूंकि मुल्क में सूखा पड़ा है, लिहाजा हम अपने समारोहों को स्थगित कर रहे हैं। उसका एक सकारात्मक असर होता। लोग सोचते देर आए, दुरुस्त आए। मगर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। सरकार का जश्न बदस्तूर जारी रहा था। और देश के तीस फीसद भाग में सूखे को लेकर उसकी शीतनिद्रा या अनदेखी जारी रही। सुप्रीम कोर्ट द्वारा खाद्य आयुक्त के दफ्तर के लिए प्रमुख सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए बिराज पटनायक का साक्षात्कार- जो उसके चंद रोज बाद प्रकाशित हुआ था- इस मामले में आंखें खोलने वाला था। इस साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया था कि सर्वोच्च अदालत द्वारा इस मामले में स्पष्ट तथा सख्त निर्देश के बावजूद सूखाग्रस्त इलाकों में जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं किया गया था। उनके मुताबिक 2013 में बने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम पर अमल शुरू तक नहीं किया गया है। सत्ता की बागडोर संभालने के बाद राजग सरकार ने तीन दफा इस अधिनियम को लागू करने की अंतिम तारीख आगे बढ़ा दी। ऐसा महज संसद की स्वीकृति से ही संभव है, मगर इसे कार्यपालिका की कार्रवाई के तहत अंजाम दिया गया। जाहिर है कि इसने सूखाग्रस्त इलाकों में भूख की समस्या को बढ़ाया है।

अगर खाद्य सुरक्षा कानून जब से बना तब से लागू किया गया होता तो ग्रामीण आबादी के लगभग पचहत्तर फीसद के पास अनाज पहुंचाने की प्रणालियां कायम हो चुकी होतीं। बिराज पटनायक के मुताबिक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम को लागू करने का कुल बजट पंद्रह हजार करोड़ रुपए है, जबकि केंद्र सरकार ने उसके लिए अभी तक महज चार सौ करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। पिछले साल इसकी पायलट स्कीम अर्थात शुरुआती प्रायोगिक योजना पर उसने 438 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो इसी बात को

सम्पादकीय

कोर्ट ने दिखाया कि कानून से कोई बड़ा नहीं

उत्तराखंड में बहुचर्चित अंकिता भंडारी की हत्या के मामले में शुक्रवार को अदालत के फैसले से यह साफ है कि अगर जांच की दिशा सही हो और आरोपियों के प्रति कोई रियायत नहीं बरती जाए, तो इंसाफ मिलना संभव है। दरअसल, एक रिजार्ट में काम करके अपने परिवार का सहारा बनी अंकिता की हत्या के बाद जांच का सिरा जिस दिशा में जा रहा था, उसमें तब यह लगा था कि आरोपी बच निकलेंगे। करीब तीन साल पहले अंकिता की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हत्याकांड का गंभीर पहलू यह भी था कि एक आरोपी रसूखदार नेता का बेटा था। शायद इसीलिए मामले को दबाने की भी कोशिश की गई। लेकिन अदालत के सजग रुख और जांच की दिशा की वजह से तीन आरोपियों को दोषी साबित किया जा सका और उन्हें कोटद्वार की अदालत ने उम्रकैद की सजा दी। इससे पहले इस मामले में विशेष जांच दल यानी एसआइटी भी बनाई गई थी। हालांकि तब उस पर भी सवाल उठे थे और लोगों ने सीबीआइ जांच की मांग की थी। अब अदालत के फैसले के बाद अगर इसे अंकिता के परिवार को इंसाफ मिलने और सच की जीत के तौर पर देखा जा रहा है, तो यह स्वाभाविक ही है। यह फैसला उन परिवारों के लिए एक उम्मीद और राहत है, जिनकी बेटियां घरों से दूर पढ़ने या नौकरी करने निकलती हैं और अपने सपने साकार करना चाहती हैं। यह दुखद है कि आज जिस विकसित और आधुनिक समाज की बात होती है, वहां आज भी स्त्रियों को कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। हमारे समाज में बेटियों के लिए जोखिम का दायरा इतना बड़ा है कि कब धोखा देकर, बहला-फुसला कर या दबाव डाल कर या फिर धमका कर उनको शिकार बनाया जाएगा, इसका उन्हें अनुमान तक नहीं होता। एक रिजार्ट में काम करने वाली अंकिता की हत्या इसका स्पष्ट उदाहरण है। अपना भविष्य संवारने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए संघर्ष कर रही युवतियों पर पर घात लगाए पुरुषों के लिए कोटद्वार की अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है और एक चेतावनी है कि कानून सबके लिए बराबर है।

हताशा का हासिल

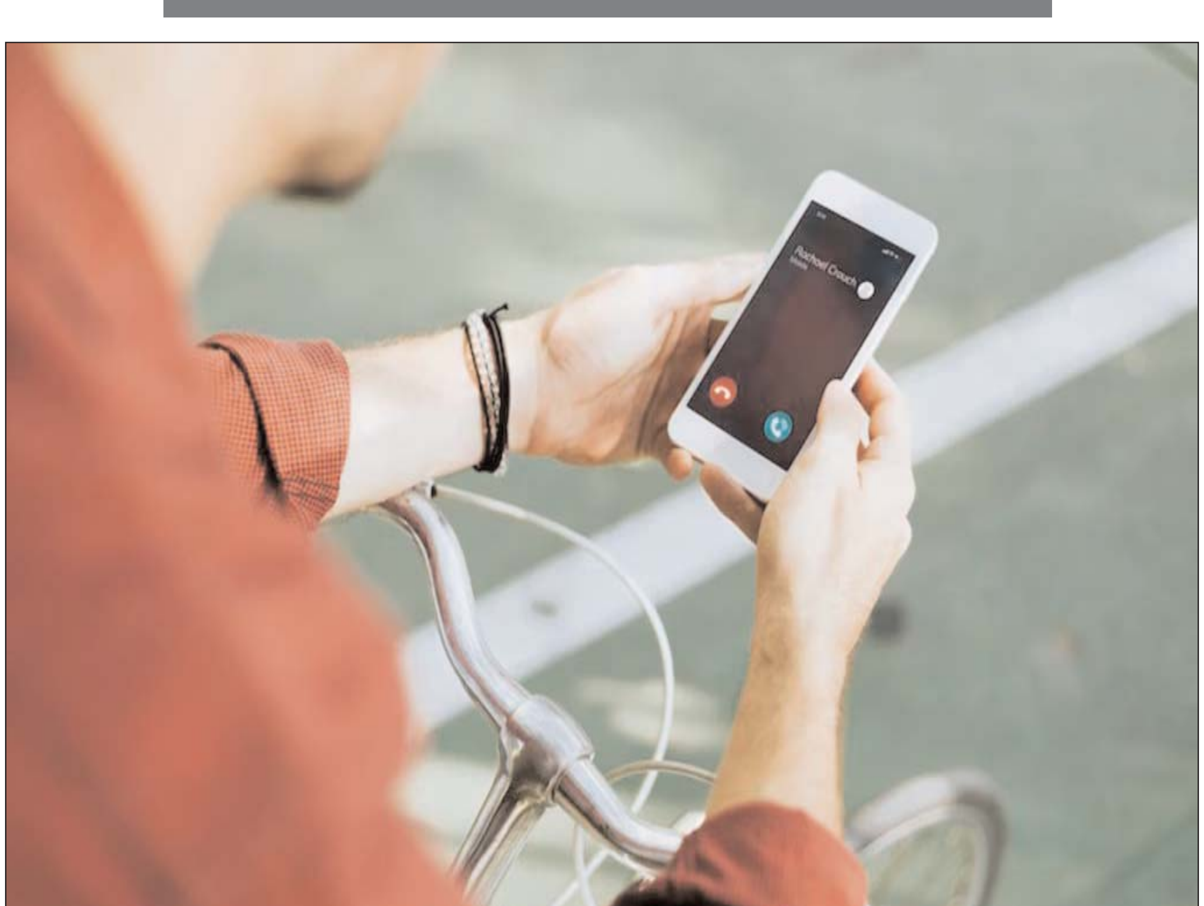

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में एक साल में करीब 7.3 लाख लोग आत्महत्या कर लेते हैं। इसके अलावा करीब बीस लाख लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। यह स्थिति परेशान करने वाली है। भारत में आत्महत्या की दर बढ़ने के कारणों को लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादा से ज्यादा लोग आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं। वे खुद में सिमटते चले जा रहे हैं। उनके प्रत्यक्ष मित्र कम और सोशल मीडिया पर मित्र अधिक हैं। ऐसे लोग अपने परिवार के सदस्यों से कट रहे हैं और अपने फोन या सोशल मीडिया के घेरे तक ज्यादा सीमित हो गए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने अपनी रिपोर्ट में आत्महत्या के कारण के लिए पेशेवर या करिअर संबंधित समस्याओं के साथ अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, परिवारिक समस्याओं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द आदि को प्रमुख कारण माना है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद शारीरिक और विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य को अक्षम करने वाले कार्य की सूची में सबसे आगे है। इसके अलावा, गरीबी स्थिति से उपजा चिड़चिड़ापन आगे आक्रामकता, शोषण और दुर्व्यवहार के लिए उकसाने वाले दर्द और निराशा की भावनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं। बदलती जीवन शैली, खुद के लिए समय की कमी, परिवारिक संबंधों में दूरियां, घर का नकारात्मक माहौल, प्रेम में विफलता, अकेलापन, शिक्षा और करिअर में गला काट प्रतिस्पर्धा आदि ऐसे कारण हैं, जिनसे लोगों में अवसाद पनप रहा है और अनेक मामलों में इस वजह से ही लोग आत्महत्या करते हैं। इसमें तनाव मौजूद है, जिससे समाज का लगभग प्रत्येक वर्ग प्रभावित होता है। दहेज जैसी कुप्रथा और परिवारिक समस्याओं के कारण भी महिलाओं की आत्महत्या के मामले सामने आते हैं, वहीं युवाओं द्वारा पढ़ाई का दबाव, करिअर संबंधित समस्याएं और खराब होते रिश्ते आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने की प्रमुख वजह बन रहे हैं। महामारी के दौर में नौकरियां छिन जाने, अपने करीबियों को खोने और अकेलेपन ने लोगों को चिंतित, उदास, एकाकी और अति संवेदनशील बना दिया है। इस कारण भी कुछ लोग जीवन में आई मुसीबतों का मुकाबला करने के बजाय आत्महत्या की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक आत्महत्या को रोकने का सबसे अच्छा तरीका चेतावनी संकेतों को पहचानना और इस तरह के संकट पर तुरंत सक्रिय होना है। देश में हर साल लाखों आत्महत्या समाज में हताशा और निराशा व्याप्त होने का जीता जागता प्रमाण है। हालांकि आत्महत्या की समस्या केवल आर्थिक या राजनीतिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे सामाजिक और मानसिक कारण भी मौजूद होते हैं। अगर आर्थिक और राजनीतिक कारणों से समाज में हताशा या निराशा व्याप्त होती है तो उनके निवारण की जिम्मेवारी सरकार की है। हमारा जीवन अनमोल है। तनाव, हताशा या निराशा का समाधान आत्महत्या नहीं है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि अवसाद से ग्रसित लोगों को मानसिक चिकित्सा के जरिए स्वस्थ बनाया जा सकता है।

ऐसी बानी बोलिए

इसके बाद कार में सवार व्यक्ति ने गाड़ी रोक दी, फिर गुस्से में बाहर निकला और हमारी तरफ बढ़ा। मित्र ने धीरज नहीं खोया और बेहद शालीनता से मुस्कराते हुए कहा- 'मैं माफी चाहता हूं।' कार में से गुस्से में उतर कर हमारे पास तैश में आया वह व्यक्ति मित्र के इस व्यवहार से अचानक ही एकदम शांत हो गया और वापस चला गया। उसके जाने के बाद मैंने मित्र से पूछा कि गलती तुम्हारी तो नहीं थी, उसने गलत ढंग से ब्रेक का इस्तेमाल अचानक किया थाऽ फिर तुमने उससे माफी क्यों मांगी?

भक्त कवि कबीर ने एक दोहे में लिखा था-'ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय/ औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय'। इसका अर्थ यह है कि हमें एक दूसरे से बातचीत करने के लिए हमेशा ऐसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जो हमें भी अच्छी लगे और दूसरों को भी। लेकिन आज हम अपने आसपास जितने भी लोगों से मिलते-जुलते हैं, उनसे बातें करते हैं, उसमें क्या हमें इस दोहे के करीब का भी आशय महसूस होता है? सच यह है कि आजकल हम अपने चारों तरफ जो इतनी अशांति, उत्तेजना, तनाव और मारपीट देखते हैं, उसके पीछे प्रमुख कारण है लोगों में धैर्य का न होना। यह अधैर्य सबसे ज्यादा उनकी जुबान में साफ झलकता है।

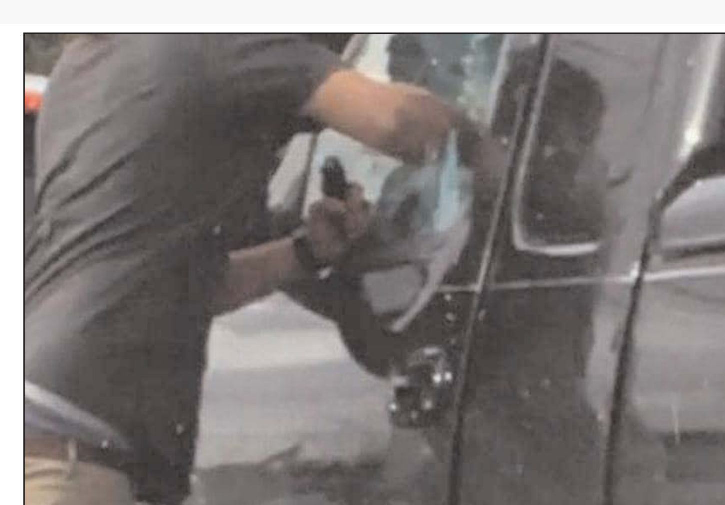

यह किसी से छिपा नहीं है कि मामूली-सी बात पर लोग कई बार अपना आपा खो देते हैं और गुस्सा होकर दूसरे पक्ष के प्रति अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगते हैं। अक्सर ऐसा भी देखने में आता है कि लोग आपस में मारपीट पर भी उतारू हो जाते हैं। अनेक बार ऐसे मामलों में लोग गंभीर चोटों के शिकार हो जाते हैं और कुछ मामलों में तो लोगों की जान तक चली गई। कुछ समय पहले मैं अपने एक सज्जन मित्र के साथ मोटरसाइकिल पर सफर कर रहा था। सड़क पर बहुत भीड़ थी। मित्र की गलती से मोटरसाइकिल हमसे आगे चल रही एक कार में छू गई, जो आगे चलते हुए अचानक ही धीमी हो गई थी।

इसके बाद कार में सवार व्यक्ति ने गाड़ी रोक दी, फिर गुस्से में बाहर निकला और हमारी तरफ बढ़ा। मित्र ने धीरज नहीं खोया और बेहद शालीनता से मुस्कराते हुए कहा- 'मैं माफी चाहता हूं।' कार में से गुस्से में उतर कर हमारे पास तैश में आया वह व्यक्ति मित्र के इस व्यवहार से अचानक ही एकदम शांत हो गया और वापस चला गया। उसके जाने के बाद मैंने मित्र से पूछा कि गलती तुम्हारी तो नहीं थी, उसने गलत ढंग से ब्रेक का इस्तेमाल अचानक किया थाऽ फिर तुमने उससे माफी क्यों मांगी? मित्र ने कहा कि वह समय लड़ने-झगड़ने का नहींऽ परिस्थिति को समझदारी और ठंडे दिमाग से सुलझा लेने का था। मुझे मित्र की बात अच्छी लगी। अगर कोई और उस जगह होता और उस व्यक्ति से सही या गलत होने पर बहस करता तो अच्छा-खासा झगड़ा सड़क पर हो सकता था, शायद मारपीट भी हो सकती थी।

दरअसल, आजकल हमारी बोलचाल की भाषा इतनी सूखी हो गई है कि उसमें एक दूसरे के लिए न तो प्यार बचा है और न ही सम्मान। हम लगातार एक बिना सहानुभूति वाली भाषा का इस्तेमाल करने लगे हैं और ऐसा करते हुए हमारा बर्ताव कब संवेदनहीन हो जाता है, हमें खुद भी पता नहीं लगता। इस रवैए की वजह से अब हमें एक दूसरे को समझने और एक दूसरे से जुड़ पाने में अच्छी-खासी दिक्कत होने लगी है। कई बार ऐसा भी देखने में आता है कि एक ही जगह पर काम करने वाले लोग एक दूसरे का अभिवादन करना तो दूर की बात है, एक दूसरे की तरफ मुस्कराकर देखते भी नहीं है। अगर कोई अपने सहयोगी का अभिवादन करता भी है तो उसे उचित उत्तर नहीं मिलता। आसपास बैठने और काम करने के बावजूद एक दूसरे के बीच इस तरह की दूरी कैसे पलने लगती है? जाहिर है, लोगों के बीच मानवीय रिश्ते सूखते जा रहे हैं। हमारे भीतर सहानुभूति का पानी सूख चुका है। आज लोगों को एक दूसरे के दुख-दर्द और तकलीफों से कोई लेना देना नहीं है। सड़क पर घायल पड़े किसी जीव-जंतु की तो बात ही क्या, किसी हादसे में जख्मी इंसान को भी छोड़ कर हम आगे निकल जाते हैं। हमारे समाज में आज जितनी गरीबी और शोषण दिखाई दे रहा है, उसे देख कर कोई भी संवेदनशील व्यक्ति बेचैन हो जाए। अलग-अलग जातियां, धर्म, संप्रदाय आदि में लोग न केवल बंटे हुए हैं, बल्कि एक दूसरे के लिए बहुत नफरत भी रखते नजर आते हैं। वे एक दूसरे को लेकर हमेशा डरे रहते हैं।

इस सबसे हमारा समाज टूट कर बिखरता जा रहा है। राजनीति ने इस माहौल को और खराब कर दिया है। अलग-अलग राजनीतिक दल इस सामाजिक बिखराव का फायदा उठा रहे हैं। कोई राजनीतिक दल किसी अल्पसंख्यक समुदाय का भला करने का दावा करता है तो कोई दूसरा आकर किसी अन्य धर्म के उद्धार का ठेका उठाने की घोषणा करता है। कोई दल किसी खास समुदाय का हितैषी बनता नजर आता है

फिल्म इंडस्ट्री में समान अवसर मिलेगा तभी सशक्त बनेंगी महिलाएं

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अभिनेत्री मोना सिंह ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर बात की।

अभिनेत्री का मानना है कि इंडस्ट्री में महिलाएं तभी सशक्त बन सकती हैं, जब उन्हें भी मुख्य किरदार मिले, समान अवसर मिले। मोना ने कहा, मेरी राय में हमारे मनोरंजन जगत में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बदलाव महिलाओं के प्रतिनिधित्व और उसकी विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही अधिक समान अवसर मुहैया कराने की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर, उन्हें अधिक बारीक या अलग हटकर भूमिका निभाने की छूट देकर उनके लिए बेहतर किया जा सकता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री लोकप्रिय टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं में शानदार काम कर घर-घर छा गईं। शो में उनका किरदार आज भी भूला नहीं जा सकता है। उन्होंने शो में एक सेक्रेटरी की भूमिका निभाई, जो आंखों पर मोटा चश्मा, लगाए नजर आई, जिसमें कॉन्फिडेंस की कमी रहती है। टीवी के साथ ही मोना सिंह कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। जस्सी जैसी कोई नहीं के बाद वह रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' के पहले सीजन में नजर आईं, जिसकी वह विजेता भी रहीं। 'फेमिना मिस इंडिया' और 'झलक दिखला जा 2' को भी होस्ट कर चुकी हैं।

टीवी जगत में सफल होने के बाद अभिनेत्री साल 2009 में बॉलीवुड में एंट्री की। उन्होंने राजकुमार हिरानी की कॉमेडी-ड्रामा 3 इडियट्स (2009) में सहायक भूमिका निभाई। उनके किरदार को दर्शकों ने पसंद किया। इस दौरान मोना ने कई और भी फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई। उन्होंने लाल सिंह चड्ढा और मुंज्या जैसी फिल्में की। उन्होंने फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान की मां की भूमिका निभाई थी। साथ ही वह वेब सीरीज मेड इन हेवन और काला पानी में भी अहम किरदार में नजर आईं। मोना सिंह साल 2012 में फोर्ब्स इंडिया की 100 सेलिब्रिटी की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी हैं।

अब फिल्म बनाएंगी श्वेता त्रिपाठी

'मिर्जापुर' फेम अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अभिनय के बाद अब निर्माता के तौर पर इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। श्वेता को पहले प्रोडक्शन में बनी फिल्म दो महिलाओं के बीच की प्रेम कहानी पर आधारित होगी। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने एक अभिनेता के रूप में एंट्री ली थी, लेकिन बाद में निर्माता के रूप में जुड़ने का फैसला लिया। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने ऐसा क्यों किया?

क्यों लिया फिल्म का निर्माता बनने का फैसला?

श्वेता के प्रोडक्शन में बनने वाली यह फिल्म LGBTQIA+ पर आधारित है। निर्माता के तौर पर फिल्म से जुड़ने के फैसले के बारे में बात करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने कहा, जब एक एक्टर के रूप में यह स्क्रिप्ट मेरे पास आई तो मैं तुरंत इसकी संवेदनशीलता और जिस तरह से इसमें प्रेम को उसके शुद्ध रूप में दर्शाया गया था, उससे आकर्षित हो गई। जैसे-जैसे मैंने गहराई से इसे जाना, मुझे एहसास हुआ कि इस कहानी को सही तरीके से बताया जाना कितना महत्वपूर्ण है। इसके बाद ही मैंने निर्माता के रूप में इसका हिस्सा बनने का फैसला किया। श्वेता ने आगे कहा, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह प्रेम, पहचान और खुद के होने के साहस का उत्सव है। एक निर्माता के रूप में अब मेरे पास कहानियां कहने की रचनात्मक स्वतंत्रता है और मैं इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकती थी। इसके अलावा श्वेता के प्रोडक्शन स्लेट में एक हॉरर फिल्म, एक ड्रामा और एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर शामिल है।

बच्चों की कहानियां बनाना चाहती हैं श्वेता

इस फिल्म के अलावा श्वेता की रुचि बच्चों की कहानी बनाने में भी है। यह जॉनर उनके दिल के काफी करीब है। अभिनेत्री का मानना है कि हम जो फिल्में देखते हुए बड़े होते हैं, वह हमें बहुत गहराई से आकार देती हैं और उन्हें ऐसी कहानियां बनाने की उम्मीद है जो बच्चों के दिमाग पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ें।

जेलर 2 को लेकर आई बड़ी जानकारी

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए खुशखबरी है। वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। उनके पास कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें से एक जेलर 2 भी है। फिल्म में फैंस रजनीकांत को एक बार फिर से पहले भाग की तरह मुथुवेल पांडीयन के किरदार में देखे सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलर 2 की शूटिंग अगले हफ्ते में शुरू होने वाली है। फिल्म की टीम पहले चेन्नई में शूटिंग करेगी। उसके बाद गोवा और तमिलनाडु के थेनी में आगे की शूटिंग की जाएगी। फिल्म में एक बार फिर से अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। वहीं, फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार करने वाले हैं। फिल्म सिनेमाघरों में कब तक दस्तक देगी इस बात का अभी आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

टीवी की दुनिया ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया

रुपाली गांगुली लगभग पांच साल से सीरियल 'अनुपमा' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। यह सीरियल आम महिलाओं की समस्याओं को भी अपनी कहानी के जरिए दिखाता है। साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने का संदेश भी देता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रुपाली गांगुली ने अपने टीवी सीरियल में काम करने के अनुभव, यहां के माहौल के बारे में बात की। हाल ही में जूम को दिए गए इंटरव्यू में रुपाली गांगुली कहती हैं, 'टीवी जैसी कोई और इंडस्ट्री हो ही नहीं सकती है। यह एक अच्छी जगह है। यहां आपको काबिलियत पर काम मिलता है। मैं आज भी ऑडिशन देती हूं। लेकिन इस इंडस्ट्री ने महिलाओं को बहुत सम्मान दिया है। महिला कलाकारों को यहां रानियों की तरफ ट्रीट किया जाता है।

फिल्मों के बुरे अनुभव भी बताए

टीवी की तारीफ करने के अलावा रुपाली गांगुली ने यह भी बताया कि उन्होंने फिल्मों में काम करना क्यों छोड़ा। वह बताती हैं, 'कई लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का सामना किया है। आज तो महिलाएं इस बारे में बात कर रही हैं, उस वक्त बात नहीं होती थी। यही बड़ी वजह रही कि मैंने फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ दिया।

पैन-इंडिया फिल्म 'महाशक्ति' का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं

मशहूर निर्देशक सुंदर सी अपनी नई पैन-इंडिया फिल्म 'महाशक्ति' के साथ एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने जा रहे हैं। ये फिल्म न सिर्फ क्षेत्रीय सिनेमा की सीमाओं को तोड़ेगी, बल्कि भारत और दुनिया भर के दर्शकों को एक नई कहानी से जोड़ने का काम करेगी। इसमें साउथ इंडियन एक्ट्रेस नयनतारा लीड रोल प्ले करेंगी। नयनतारा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा- 'इस किरदार को निभाना महज अभिनय तक सीमित नहीं है। ये एक भावना है। 'महाशक्ति' सिनेमा से परे एक शक्ति रखती है। सुंदर सर के विजन के साथ हम एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो हर दर्शक पर अपना असर छोड़ेगी। मैं इस भव्य यात्रा का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं'। फिल्म की शूटिंग जोरों पर है और मेकर्स जल्द ही इसकी रिलीज डेट का ऐलान करेंगे। इस फिल्म को भारत समेत कई भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा, जिससे ये एक पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर बनने की पूरी संभावना है। फिल्म में नयनतारा एक दिव्य शक्ति और रक्षक की भूमिका निभाएंगी।

प्रभास ने मुफ्त में किया कन्नप्पा में कैमियो? विष्णु मांचू ने किया खुलासा

विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और मोहनलाल के दिलचस्प कैमियो की वजह से चर्चा में है। अब विष्णु मांचू अपनी फिल्म का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ था, जिसमें प्रभास के कैमियो और उनके किरदार के बारे में खास चर्चा हुई थी। वहीं, अब प्रभास के किरदार से जुड़ी बारे में दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

फ्री में प्रभास ने किया काम

साउथ सुपरस्टार प्रभास ने विष्णु मांचू की आने वाली फिल्म कन्नप्पा में अपने दमदार कैमियो के लिए एक भी रुपये नहीं लिया। फिल्म में अभिनेता रुद्र की पौराणिक भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में एक्स पर चैटिंग सेशन के दौरान एक यूजर ने विष्णु मांचू से पूछा, क्या प्रभास सर फ्री में एक्टिंग करते हैं? क्या यह सच है? इस पर विष्णु मांचू ने हां कहकर इसकी पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने इस बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी, लेकिन उनका सकारात्मक जवाब प्रभास के प्रशंसकों को खुश करने के लिए काफी था।

प्रभास ने तुरंत किरदार के लिए कह दी थी हां

विष्णु मांचू ने यह भी बताया कि प्रभास को कन्नप्पा में रुद्र की भूमिका स्वीकार करने में बस कुछ ही मिनट लगे। अभिनेता ने कहा, उन्हें यह बेहद पसंद आया। कन्नप्पा में बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी भगवान शिव की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी की बात करें तो रिपोर्ट्स के अनुसार, मुख्य भूमिका निभाने वाले विष्णु मांचू युद्ध की कठोर वास्तविकताओं का सामना करने के बाद भगवान शिव के एक उत्साही भक्त बन जाएंगे।

फिल्म की शूटिंग और निर्माण

फिल्म में काजल अग्रवाल देवी पार्वती की भूमिका में होंगी और मोहनलाल किराता की भूमिका में नजर आएंगे। मुख्य भूमिका निभाने के अलावा विष्णु ने कन्नप्पा की पटकथा भी लिखी है। इसका निर्माण विष्णु मांचू के पिता और दिग्गज अभिनेता-निर्माता मोहन बाबू ने किया है। इसकी शूटिंग न्यूजीलैंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर की गई है।

मैं हूं भारतीय सिनेमा का असली बादशाह, कार्तिक ने उड़ाया मजाक

बॉलीवुड के चमकते सितारे कार्तिक आर्यन लगातार चर्चाओं में बने रहते हैं। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर निर्माता-निर्देशक करण जौहर के साथ एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो तब का है जब दोनों स्टार 25वें आईफा अवॉर्ड्स के लिए जयपुर पहुंचे थे। इस वीडियो में दोनों एक-दूसरे पर तंज कस रहे हैं और इस बात पर बहस कर रहे हैं कि भारतीय सिनेमा का असली राजा कौन है?

कौन है भारतीय सिनेमा का असली बादशाह?

वीडियो की शुरुआत में करण जौहर कार्तिक आर्यन से कहते हैं, कार्तिक, रॉयल्टी का भी कुछ मतलब होता है। बॉलीवुड का बादशाह मैं हूं, तुम नहीं। इस पर कार्तिक जवाब देते हुए कहते हैं, अगर आप बादशाह हो, तो मैं इंडियन सिनेमा का राजकुमार हूं। इस पर करण कहते हैं, हे भगवान, तुम और रॉयल्टी? असली रॉयल्टी मैं हूं। जिसके बाद भूल भूलैया 3 स्टार कार्तिक करण जौहर के ट्रांसफॉर्मेशन और उनके दुबले होने पर मजाकिया लहजे में तंज कसते हुए कहते हैं, आप इतने पतले कैसे हुए हो? ऐसा लग रहा है किसी ने करण भेज दिया है, और जौहर अभी बाकी है।

करण ने कार्तिक की फिल्म का उड़ाया मजाक

आगे करण जौहर कार्तिक पर मजाकिया लहजे में सख्त होते हुए 2023 में आई कार्तिक की फ्लॉप फिल्म 'शहजादा' पर तंज कसते हुए कहते हैं, ओह मिस्टर कैजादा। जिस पर कार्तिक कहते हैं, जोक शहजादा पर बनता है, उस पर होना चाहिए। इस पर करण जौहर कहते हैं, उस पर कुछ नहीं बनता है।

करण-कार्तिक के बीच हो गई थी अनबन

कार्तिक आर्यन और करण जौहर के बीच तब रिश्तों में तल्खियां आने की खबरें सामने आई थीं जब 2021 में कार्तिक आर्यन को करण जौहर की फिल्म 'दोस्ताना 2' से बाहर कर दिया गया था। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी थी, लेकिन बाद में कार्तिक को हटा दिया गया था। जिसके बाद इन दोनों के बीच अनबन की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इसके पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया था।

करण की फिल्म में नजर आएंगे कार्तिक

2023 में कार्तिक आर्यन के जन्मदिन के मौके पर करण जौहर ने कार्तिक के साथ अपनी नई फिल्म की घोषणा करके दोनों के बीच फिर से दोस्ती हो जाने का संकेत दिया था। करण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेता के साथ एक फिल्म की घोषणा की थी। जिसके बाद दोनों के बीच की अनबन पूरी तरह से खत्म हो गई है। अब दोनों 2025 के आईफा अवॉर्ड्स को भी होस्ट करते दिखेंगे।

रणबीर कपूर के साथ फिल्म में काम करना चाहती हैं मावरा हुसैन

पिछले महीने पर्दे पर फिर से रिलीज हुई सनम तेरी कसम ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया। नए फिल्मों से मुकाबला होने के बावजूद यह रोमांटिक ड्रामा फिर से दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही। फिल्म में मावरा हुसैन ने हर्षवर्धन राणे के साथ मुख्य भूमिका निभाई है। माहिरा हुसैन होकेन ने हाल ही में रणबीर कपूर के साथ काम करने की इच्छा जताई। उन्होंने व्यक्त किया कि वह उनके साथ रॉकस्टार का हिस्सा बनना पसंद करतीं। इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में मावरा हुसैन से पूछा गया कि वह रणबीर कपूर के साथ किस तरह की फिल्में करना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मैं रॉकस्टार करना पसंद करती। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे उन्होंने कई बार देखा है।

क्या आप जानते है फैमिली के साथ बैठकर खाने के हैं ये फायदे...

पुराने जमाने मे परिवार का साथ बैठकर खाना ट्रेडिशन था और इसे शुभ भी माना जाता था। जैसे -जैसे फैमिली न्यूक्लियर होती गई ये ट्रेडिशन खत्म होते गया। ट्रेडिशन खत्म होने से बहुत कुछ खत्म होता गया, जैसे एक साथ बैठ कर बातें करना, एक दूसरे की परेशानियों को सुनना, बड़ों से अच्छी बातें सिखना आदि। पेरेंट्स के काम करने का वक्त, बच्चों की पढ़ाई सारी चीजें गड़बड़ होते गई।

लेकिन जब सारा परिवार मिलकर डिनर टेबल पर बात करता है और घर के सभी लोग मिलकर उसका कोई न कोई अच्छा सॉल्यूशन निकाल लेते हैं तो इसका नतीजा यह होता है कि पूरा परिवार एक हो जाता है।

ईटिंग टूगेदर

आजकल बच्चे बहुत ज्यादा डिप्रेस्ड हो रहे हैं। न जाने कब उनके जेहन मे क्या नेगेटिव विचार चल रहे होते हैं। ऐसे मे फैमिली कम्यूनिकेशन बहुत जरूरी है नही तो वो गलत फैसलों की ओर बढ़ सकता है। साथ खाने से मुश्किल हालातों में भी कम्यूनिकेशन बनता है। आज के इस दौर की बड़ी समस्या को सिर्फ ईटिंग टूगेदर' से दूर कर सकते हैं।

हेल्दी ईटिंग

अकेले खाते हुए बच्चे कुछ भी खा लेते है। पेरेंट्स बच्चों के साथ में खाना खाएंगे तो ख्याल रखेंगे कि वे हेल्दी फूड लें। साथ मे ऐसा फूड खाएंगे तो जो सबकी पसंद का हो और न्यूट्रिशन से भरा हो। इससे आप बच्चो के बाहर खाना खाने की आदत भी कम कर पाएंगी।

टेबल मैनर्स

हमें खाने, खाना बनाने, चलने, दौड़ने, लाइफ के सबक हम घर पर ही सीखते हैं। बड़े होकर बच्चे ऊंचे मुकाम पाएंगे लेकिन मैनर्स डिनर टेबल पर ही सीखेंगे। बच्चों को इसके लिए किसी पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट क्लास में भेजने की जरूरत नहीं होगी। साथ खाते हुए उनमें अच्छी आदतें डाल सकेंगी।

फैमिली वैल्यू?

पैरेंट्स-बच्चो का रिश्ता गहरा होता जाता है। एक-दूसरे की लाइफ और एक्सपीरिएंस से सीखते है। किशोर बच्चो मे साथ खाने की आदत डालना इस दौर मे तो बहुत जरूरी है। उनकी जिन्दगी मे गैजेट्स और कई व्यक्तित्व वाले दोस्तो की जगह है। फैमिली वैल्यू मजबूत बनाने के लिए साथ खाना खाने पर जोर दें। उन्हें उनके रूम मे खाना खाने की आदत न पड़ने दें।

ये हैं अक्षय तृतीया से जुड़ी रोचक बातें, क्यों खास है ये तिथि?

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। कुछ स्थानों पर इसे आखा तीज भी कहते हैं। हिंदू धर्म में इस तिथि का विशेष महत्व है, क्योंकि यह साल में आने वाले 4 अबूझ मुहूर्तों में से एक है (अक्षय तृतीया के अलावा देवउठनी एकादशी, बसंत पंचमी व भड़ली नवमी को भी अबूझ मुहूर्त माना जाता है)। इस बार ये पर्व 9 मई, सोमवार को है। आज हम आपको अक्षय तृतीया से जुड़ी कुछ खास बातें बता रहे हैं, जो इस प्रकार है-

अक्षय तृतीया क्यों है विशेष?

हिंदू पंचांग के मुताबिक वर्ष के दूसरे महीने वैशाख के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है। इस तिथि पर किए गए दान-धर्म का अक्षय यानी कभी नाश न होने वाला फल व पुण्य मिलता है। इसलिए यह सनातन धर्म में दान-धर्म का अचूक काल माना गया है। इसे चिरंजीवी तिथि भी कहते हैं, क्योंकि यह तिथि 8 चिरंजीवियों में एक भगवान परशुराम की जन्म तिथि भी है। हिंदू धर्म मान्यताओं में किसी भी शुभ काम के लिए साल के स्वयं सिद्ध मुहूर्तों में आखा तीज भी एक है।

क्या है पौराणिक मान्यताएं?

शास्त्रों के मुताबिक वैशाख माह विष्णु भक्ति का शुभ काल है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह की अक्षय तृतीया को ही भगवान विष्णु के नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम अवतार हुए थे। इसलिए इस दिन परशुराम जयंती, नर-नारायण जयंती भी मनाई जाती है। त्रेतायुग की शुरुआत भी इसी शुभ तिथि से मानी जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा भी पुण्यदायी व महामंगलकारी मानी जाती है।

किन चीजों के दान का है खास महत्व?

इस शुभ तिथि पर किए गए दान व उसके फल का नाश नहीं होता। इस दिन खासतौर पर जौ, गेहूं, चने, सत्तू, दही चावल, गन्ने का रस, दूध के बनी चीजें जैसे मावा, मिठाई आदि, सोना और जल से भरा कलश, अनाज, सभी तरह के रस और गर्मी के मौसम में उपयोगी सारी चीजों के दान का महत्व है। पितरों का श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन कराने का भी अनन्त फल मिलता है।

वह दिन दूर नहीं जब मानव का मस्तिष्क अत्याधुनिक कंप्यूटर के जरिए संचालित होने लगेगा और वह व्यक्ति के विचारों को पढ़ने में सक्षम हो जाएगा। इससे दिमाग का रिश्ता हमारे लिए कितना मददगार साबित होगा, वैज्ञानिक इसकी संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं। सेना में साइबॉर्ग सोल्जर, मेडिकल सेक्टर में सर्जरी, टेलीपैथी, किसी प्रकार की शारीरिक अक्षमता के उपचार या परिवहन में इसका इस्तेमाल की योजनाएं बनाई जा रही है। वास्तव में भविष्य का समाज साइबॉर्ग का समाज होगा। साइबॉर्ग उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके शरीर के भीतर किसी एक अंग का कार्य कम्प्यूटर या इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण के जरिए होता है।

यह दुनिया होगी साइबॉर्ग की...

जब बात दो आंखों के अलावा तीसरी आंख की होती है, तो मन में हिंदुओं देवता शिव का नाम आता है, जिनकी तीन आंखें है, जो उनके मस्तिष्क के ठीक बीच में है और वे उससे पूरे विश्व को नष्ट कर सकते है, लेकिन तेजी से गतिमान होती दुनिया में ब्रिटेन का एक शख्स ऐसा भी है, जिसकी तीन आंखे हैं और वह अपनी तीसरी आंख से बहुत कुछ ऐसा देख सकता है जो शायद आप, हम या कोई दूसरा सामान्य व्यक्ति न देख पाए। जी हां, तीन आंखों वाले इस शख्स का नाम है नील हार्बिसन। नील दुनिया के ऐसे पहले शख्स हैं जिनकी तीन आंखे हैं। कमाल की बात है कि वे इस आंख से देखते नहीं बल्कि सुनते हैं। दरअसल, तीसरी आंख के रूप में नील के मस्तिष्क में एक ऐसा एंटिना लगा है, जो पीछे से दोनों आंखों की आगे की ओर है। यही नील की तीसरी आंख है, जिससे वे किसी भी रंग को देखते नहीं है बल्कि सुनते हैं। वे ध्वनियों के आधार पर रंगों को पहचानते हैं। नील दुनिया के पहले साइबॉर्ग हैं। साइबॉर्ग उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके शरीर के भीतर किसी एक अंग का कार्य कम्प्यूटर या इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण के जरिए होता है। नील की कुदरती आंखें रंग नहीं पहचानती जबकि वह

अपनी एंटिना आई से रंगों को सुनकर पहचानते हैं। नील के मस्तिष्क में जो डिवाइस लगी है, उसे आईबॉर्ग कहा जाता है। यह एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो परमानेंटली इंटरप्रेटेड है। यह टेक्नोलॉजी रंगों को ध्वनियों में ट्रांसफॉर्म करके नील के दिमाग में भेजता है और नील ध्वनि से रंगों को पहचान लेते हैं। नील की खोपड़ी में परमानेंट फिक्स यह डिवाइस 360 रंगों को ध्वनियों में बदल सकती है। नील इससे अल्ट्रावायलेट और अल्फा रेड एनर्जी को भी पहचान लेते हैं, जो सामान्य मनुष्य के लिए असंभव है, इसलिए भी नील दुनिया के पहले साइबॉर्ग कहे जाते हैं। नील के दिमाग में फिट यह एंटिना डिवाइस दरअसल, उनके शरीर में बह रहे खून से रिचार्ज होता है। नील इस डिवाइस के जरिए किसी भी तरह के फोन कॉल को रिसीव कर सकते हैं। डिवाइस में लगे इंटरनल इंटरनेट से नील सेटेलाइट के साथ किसी के कैमरे से भी रंग ग्रहण कर सकते हैं। नील को अपने दिमाग में इस तरह की डिवाइस की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि वे दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें जन्म से ही एक्रोमेटोप्सिया है। यह एक ऐसी अवस्था है, जिसमें जन्मे बच्चे केवल ग्रे स्केल ही देख सकते हैं। यानी की नील को हर रंग सफेद या काला ही नजर आता रहा। साइबॉर्ग की परिकल्पना एक ऐसे मानव की है, जिसकी शारीरिक क्षमता उसके शरीर में काम कर रहे मशीनी अंगों के कारण कहीं अधिक हो जाती है। मानव काया में रोबोटिक या कंप्यूटरीकृत स्वरूप समा जाना भावी सच है। शोधकर्ताओं का कहना है कि बायोलॉजिकल कंप्यूटर में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों ही जैविक अणु है, जो कार्य के अनुरूप निर्मित किए हुए है। 1960 में साइबॉर्ग शब्द का इस्तेमाल पहली बार मैनफ्रेड क्लीरा और नेथन एस. क्लाइन ने अपने एक लेख में किया था।

दिव्यांगों के लिए वरदान

इनसान द्वारा बनाए गये कंप्यूटर के साथ भविष्य में कैसा संवाद कायम होनेवाला है, जिसमें दिमाग सीधे तौर पर कंप्यूटर से संपर्क स्थापित कर लेगा। अर्थात् न माउस होगा, न कीबोर्ड और न ही कर्सर! यह सब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नियंत्रित करने के नए तरीके के दरवाजे खोल सकता है, तो दिव्यांगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। यह किसी साइंस फिल्म या फिक्शन की तरह नहीं, बल्कि हकीकत में बदलने जैसे कुछ प्रयोग और किए जानेवाले प्रदर्शनों के आधार पर कहा जा सकता है कि भविष्य में कार चलाता हुआ व्यक्ति अपनी कार को दायें-बायें मुड़ने, आगे बढ़ने या रुकने का आदेश केवल अपनी सोच से ही दे दे सकता है। इसके लिए स्टेयरिंग को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दूर बैठे किसी रोगी के दिमाग में डॉक्टर की महत्वपूर्ण सूचना के संकेत मिल जाएंगे और उसका उपचार आसान हो जाएगा। यह भी मुमकिन है कि कोई व्यक्ति बगैर रिमोट का बटन दबाए ही सामने टीवी का चैनल बदलने की सोचे और वह बदल जाए। यह कहें कि हम केवल सोचें और सामनेवाला व्यक्ति हमारी मनोभावना को समझ ले कि हम उसके लिए क्या करने वाले हैं। इस संदर्भ में कुछ भविष्यद्रष्टा वैज्ञानिकों का दावा है कि आनेवाले कुछ सालों में इनसान जब अपने दिमाग को कंप्यूटर पर अपलोड करने में कामयाब हो जाएगा, तब यह संभव हो पायेगा। इस दिशा में वैज्ञानिकों को ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस बनाने में कामयाबी हासिल हो चुकी है।

अब शरीर भी लॉग इन

कंप्यूटर ने अब जीवन के हरकारों यानी डीएनए से नाता जोड़ लिया है। वैज्ञानिकों ने ऐसे बायोलॉजिकल कंप्यूटर के विकास का दावा किया है, जिसमें बायो-मॉलिक्यूल आधारित कंप्यूटिंग सिस्टम कार्य कर रहा है। जीवन के हरकारे क्रोमोसोम्स यानी गुणसूत्र जब एक से दूसरी पीढ़ी तक गुणों का पुलिंदा लेकर चलते हैं तो खास अवयव उनके मददगार होते हैं। डीएनए यानी डीऑक्सी राइबो-न्यूक्लिक एसिड और आरएनए यानी राइबो-न्यूक्लिक एसिड यही अवयव हैं। कंप्यूटर महारथियों ने इसी डीएनए को बतौर माइक्रोप्रोसेसर प्रयोग कर डाला है। कंप्यूटर में प्रारंभ से ही सिलिकॉन आधारित माइक्रोप्रोसेसर का प्रयोग किया जाता रहा है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने पिछले दिनों दावा किया था कि वह विश्व के पहले बायोलॉजिकल कंप्यूटर के विकास में कामयाब हो चुके हैं। कैलिफोर्निया स्थित स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट और टेक्नियोन-इजराइल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों की संयुक्त रिपोर्ट में साफ किया गया है कि उन्होंने ऐसा कंप्यूटिंग सिस्टम निर्मित किया है, जिसमें पहली बार बायो-मॉलिक्यूल्स का प्रयोग हुआ है। हालांकि इससे पूर्व डीएनए का प्रयोग कंप्यूटर में किया जा चुका है, मगर वह न तो इतना प्रभावी था और न ही इस तरह के अति संवेदी रूप में था। यह डीएनए को प्रयुक्त कराते हुए जैविक अणुओं की विशेष सफलता है।

चिप से डीएनए की तुलना

हम कंप्यूटर विकास में काफी आगे निकल चुके हैं, फिर भी बहुत कुछ करना बाकी है। बायो-मॉलिक्यूल आधारित सफलता इसी दिशा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कुछ समय पूर्व ऐसी ही एक सफलता प्रिंस्टन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को भी मिली थी, जिसे पहली कड़ी कहा जाएगा। यहां के शोधकर्ताओं ने माइक्रोप्रोसेसर चिप में विद्युत प्रवाह के स्थान पर डीएनए के अंश प्रयोग किए हैं। इस प्रकार के नए चिप्स, जिनमें विशिष्ट आनुवांशिक सूचनाएं भरी हुई हैं, माइक्रोरेज कहलाते हैं। वैज्ञानिकों ने इस अनोखी पद्धति से एक महत्वपूर्ण निर्विवाद सफलता प्राप्त कर दिखाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि एक बार कंप्यूटर में इस प्रकार का डीएनए भर लिया जाए तो आम चिप से मानव डीएनए की तुलना करना आसान हो जाता है। इसी सफलता को आधार बनाते हुए यह समझा जा सकेगा कि किस डीएनए में फेरबदल प्रभाव के कारण कैसे और किस हद तक बदलाव आते हैं। अब सवाल पैदा होता है कि सिलिकॉन माइक्रोप्रोसेसर की आवश्यकता क्यों पड़ी और यह महत्वपूर्ण क्यों है? रिपोर्ट बताती है कि डीएनए प्रोसेसरयुक्त चिप एकदम साफ है, जबकि अभी तक प्रयुक्त पदार्थ विषाक्त है और सहज उपलब्ध भी नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि डीएनए में बेहद कम स्थान में कई गुना अधिक सूचनाएं भरी होती हैं, जो सामान्य चिप में हो ही नहीं सकता।

डीएनए कंप्यूटिंग में सफलता

लंबे समय से डीएनए कंप्यूटिंग पर कार्य किया जा रहा है और सफलताएं भी हाथ लगी हैं, मगर अभी तक इसका प्रयोग स्पष्ट तौर पर कर पाना संभव न था। हालिया सफलता ने यह राह खोल दी है। डीएनए कंप्यूटिंग या मॉलिक्यूलर कंप्यूटिंग असल में जैविक अणुओं का कंप्यूटर में प्रयोग है, जिस पर 'बायोलॉजिकल कंप्यूटर' से जुड़े परीक्षणों की शुरुआत हुई। आज यह भी पुष्टि की जा चुकी है कि डीएनए में सिलिकॉन कंप्यूटर की अपेक्षा कई गुना डेटा संग्रह क्षमता है। एक ग्राम डीएनए 11014 एमबी डेटा संग्रह की क्षमता रखता है, जो लगभग एक बीबी डेटा के बराबर है। देखा जाए तो बायोलॉजिकल कंप्यूटर दुनिया के किसी भी अन्य कंप्यूटर की अपेक्षा अत्यंत सूक्ष्म और अद्वितीय है। इसमें प्रयुक्त चिप को बायो चिप कहते हैं। रिपोर्ट में स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि उनकी यह सफलता अब तक की सफलताओं से भिन्न यों भी है कि इसमें पूरी तरह से जैविक अणुओं को शामिल किया गया है। इस मशीन में चार मुख्य घटक हैं, जो जैविक अणु ही हैं। वह तो यह भी खुलासा करते हैं कि हर जीवित प्राणी एक प्रकार का जैविक कंप्यूटर ही है, बस रूप बदला हुआ है। इसके चारों घटक अणु हैं, जो आपस में बतियाते हैं।

एकदम भिन्न रूप

बायोलॉजिकल कंप्यूटर का स्वरूप सामान्य कंप्यूटर से एकदम भिन्न है। इसमें कोई निर्धारित स्वरूप नहीं है, जो मॉनीटर, माउस जैसी रचना लाए। यह तो एक छोटी रचना है। इसे एक परखनली में अत्यंत संवेदी दशा में निर्धारित रसायनों के घटकों को द्रव्य घोल में मिश्रित कर तैयार किया जाता है। अभी यह सारी क्रियाएं जटिल नजर आती हैं, मगर भविष्य की कंप्यूटर क्रांति को जन्म दे चुकी हैं। इसे यों भी समझा जा सकता है कि एक कोशिका में डीएनए संरचना विविध एंजाइम्स की मदद से जैव रासायनिक क्रियाओं द्वारा सुधरती है। कोशिका एक अत्यंत सूक्ष्म प्रोटीन मशीन है, जो डीएनए में लिखी सूचना पढ़ती है। यही कोशिका आणविक स्तर पर डीएनए को संचालित करती है। इसमें कुछ एंजाइम इस संरचना की सूचना प्रतिलिपि तैयार करते हैं तो कुछ टूट फूट की मरम्मत भी करते हैं। इसी पर आधारित है बायोलॉजिकल कंप्यूटर। यहां आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी के तालमेल से प्रभावी प्रौद्योगिकी विकसित हुई है, जो मात्र एक परखनली में हमें कंप्यूटर सरीखी विभिन्न क्रियाओं को सम्पन्न करने का अवसर देती है। इस तरह से सूक्ष्म और प्रभावी तकनीक के साथ जैविक कंप्यूटर हरकत में आता है। यही विभिन्न कैलकुलेशन भी करता है। रोचक बात यह है कि यहां डीएनए की कटिंग, कॉपिंग, पेस्टिंग रिपेयरिंग प्रभावी क्रियाएं स्वतः ही सम्पन्न होती रहती हैं।

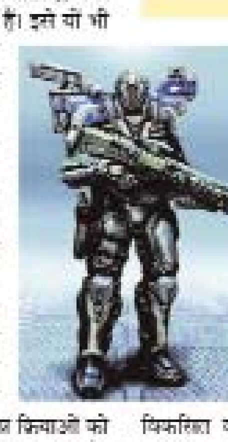

रहस्यमयी डीएनए

भविष्य में बायोलॉजिकल कंप्यूटर के लिए डीएनए की मांग सामने आएगी। प्रयोगशाला स्तर पर इसकी उपलब्धता पूरी होगी। एक रोचक आंकड़ा यह है कि मानव शरीर में साठ से सौ खरब कोशिकाएं हैं। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि यदि सारी कोशिकाओं के डीएनए एकत्र किए जाएं तो चुटकी भर नमक से ज्यादा न होंगे। मगर इतने भर में ही असंख्य सूचनाएं समाई हैं। यही बायोलॉजिकल कंप्यूटर का डेटा संग्रह बनी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यद्यपि अभी डीएनए कम्प्यूटर केवल मूल गणना ही कर सकता है, लेकिन गति और क्षमता के मामले में डीएनए कम्प्यूटर आम कंप्यूटरों के मुकाबले कहीं तेज है। डेस्कटॉप कम्प्यूटर गणना जल्दी कर सकता है, लेकिन डीएनए कम्प्यूटर एक समय में दस संभावित हल निकाल सकता है। भविष्य में डीएनए कम्प्यूटर की क्षमता आम कम्प्यूटर के मुकाबले दस लाख गुना अधिक होगी।

साइबॉर्ग सोल्जर

कंप्यूटर द्वारा दिमाग को पढ़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयोगों से मिली अब तक की सफलता से संभव है कि वह हमारे विचार को समझने में सक्षम हो जाए। अमेरिकी सेना में साइबॉर्ग सोल्जर के रूप में इसके व्यापक स्तर पर इस्तेमाल की योजना बनाई गई है। साइबॉर्ग सोल्जर का अर्थ ऐसे काल्पनिक इनसान से है, जिसके शरीर में मैकेनिकल तत्वों को निर्मित करते हुए उसकी भौतिक क्षमताओं का दायरा सामान्य इनसान के मुकाबले ज्यादा व्यापक किया जाता है। इस संबंध में विकसित की जा रही नयी परियोजना के तहत मानव मस्तिष्क में एक खास चिप का प्रत्यारोपण किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक कंप्यूटर का इनसानी दिमाग के साथ सीधे संवाद कायम करने का तरीका निकालने में जुटे हुए हैं। डीएआरपीए यानी अमेरिकी सेना की डिफेंस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी के वैज्ञानिकों और तकनीशियनों ने इसके लिए प्रत्यारोपित चिप्स विकसित करने संबंधी एक कार्यक्रम शुरू किया है।

इलेक्ट्रॉनिक खून

इंसान के दिमाग की संरचना से प्रेरित आइबीएम ने इनसानी दिमाग जैसा कंप्यूटर बनाने के क्रम में वैज्ञानिकों ने जिस द्रव का इस्तेमाल किया है, उसे कंप्यूटर का इलेक्ट्रॉनिक खून कहा जा सकता है। इस द्रव के जरिए ही उस दिमाग जैसे कंप्यूटर को ऊर्जा मिलती है और सहजता से संचालित होता है। इनसान के दिमाग की बहुत छोटी-सी जगह में असाधारण गणना क्षमता होती है और उसके लिए मात्र 20 वॉट ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। नए कंप्यूटर में भी ऐसी ही क्षमता विकसित की जा सके। इसके लिए वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर के नए रिडॉक्स फ्लो तंत्र का इस्तेमाल किया। यह तंत्र एक ऐसी रासायनिक प्रक्रिया के तहत कार्य करता है, जिसमें एक बार ऑक्सीकरण होने पर उसकी विपरीत प्रतिक्रिया में कमी आती है।

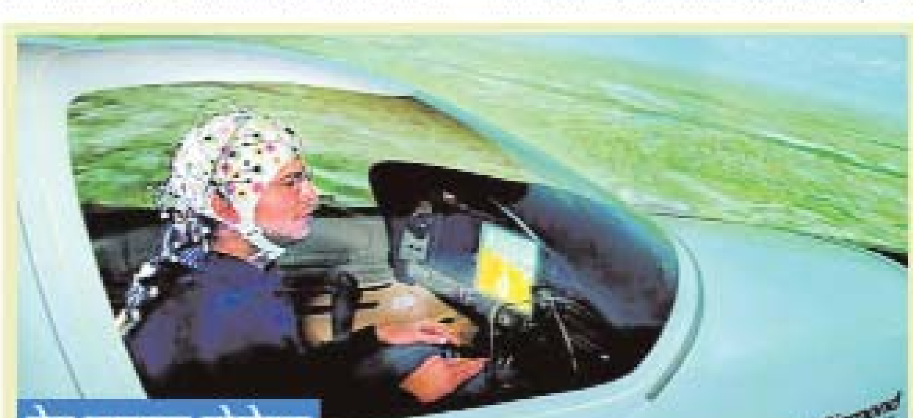

ब्रेन फ्लाइट प्रोजेक्ट

विमान संचालन आसान काम नहीं और न ही इसके लिए केवल कंट्रोल पैनल संभालना पड़ता है, बल्कि मानसिक तौर पर भी सतर्क और जागरूक रहना पड़ता है। जून, 2014 में एक फ्लाइट सिमुलेटर में बैठे पायलट को हाथ का इस्तेमाल किए बगैर विमान को अपने रास्ते पर बनाए रखने और संचालन में कामयाबी मिली थी। ऐसा यूरोपीय संघ की मदद से एक ब्रेन फ्लाइट प्रोजेक्ट के तहत संभव हुआ। इसके लिए पायलट को दिमागी गतिविधियों को मापनेवाला इलेक्ट्रोड कैप पहनाया गया, जिससे विमान संचालन के समय उसका दिमाग ही आंख की भूमिका निभाने में सक्षम बन गया था और वह जॉय स्टिक की मदद से विमान का उड़ान पथ तय करने में सफल हुआ। हालांकि, इस तकनीक का इस्तेमाल शारीरिक अशक्त पायलटों के लिए होने में अभी कई साल लगेंगे, लेकिन तब यह प्रयोग दिमागी कंट्रोल काफी चौंकाने वाला साबित हुआ। यह तकनीक कंप्यूटर को ब्रेन-कंप्यूटर-इंटरफेस के जरिए हमारे विचारों और भावनाओं तक पहुंच को मुमकिन करते हुए उन पर काम करना और आसान बना सकती है। नए इंटरफेस बनाए जा सकते हैं, जो आवाज की लय, संकेतों और नकल करने की आदतों जैसी इस्तेमाल की बहुत सारी सूचनाओं का उपयोग करते हैं।

जल्दी कैसे जागें...?

रात में सोने से पहले यह सोचते हैं कि 6 बजे हर हाल में उठ जाऊंगा लेकिन सोचते ही रह गए और बज गए 7। क्या यह आपके साथ रोज होता है? शायद ये रोज की कहानी हो गई है देर से उठना क्योंकि सुबह बिस्तर छोड़ने का मन ही नहीं होता। जागने के बाद देर तक आराम फरमाते रहते हैं और बाद में पछताते हैं। अगर इससे निपटना है तो कुछ तरीके आजमाएं और रोजाना पछताने से बचें। कुछ लोग जिन्हें 7 बजे उठना होता है तो वो 6 या 6.30 का अलार्म लगा देते है और सोचते हैं कि अलार्म ऑफ करते-करते तो सही समय पर उठ ही जाएंगे। लेकिन यह गलत तरीका है। आपको जिस समय उठना है उस समय का ही अलार्म लगाएं और उस समय ही उठें। सवाल ये होता है कि सही समय पर अलार्म तो लगा लें लेकिन उठेंगे कैसे? तो हम आपको बताते हैं कुछ तरीके जिससे ये सब आसान हो जाएगा।

दूर रखें अलार्म

जिस समय उठना है उस समय का अलार्म लगाएं और अलार्म घड़ी या मोबाइल बेडरूम के दूसरे छोर पर रखें जिससे उसे बंद करने के लिए बिस्तर से उठना पड़े। इससे दोबारा बिस्तर पर लुढ़कने से बच जाएंगे। अगर अलार्म पास ही रख कर सोना चाहते हैं तो एक तरीका और है कि लेटे-लेटे अलार्म बंद करने के बजाए बिस्तर पर बैठ जाएं और तब उसे बंद करें। रात को सोने से पहले खिड़कियों के पर्दे हटा दें जिससे सुबह होते ही कमरे में रोशनी आएगी तो इससे आसानी से उठ सकेंगे।

वीकएंड पर

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार सुबह बिस्तर छोड़ने में परेशानी होने का एक कारण है कि कई लोग वीकएंड पर वीकडेज की अपेक्षा थोड़ा देर से सोते हैं। वास्तव में हमारा शरीर 5 दिन में एक निश्चित समय पर सोने के लिए तैयार हो जाता है जोकि छुट्टी वाले दिन बदलने से बिगड़ जाता है। तो कोशिश करें कि वीकएंड पर भी उसी समय पर सोएं जिससे रोजाना सोते हैं।

कसरत की आदत

रोजाना जो लोग थोड़ी देर भी कसरत के लिए निकालते हैं उनको सुबह के समय कम नींद कम आती है और समय पर उठ जाते हैं। दिन में खूब सारी पानी पिएं। उठने के एक घंटे के अंदर ही पानी पिएं। इससे सुबह जल्दी उठने में फायदा होगा।

राष्ट्रीय विमर्श में हुआ संविधान निर्माता बी. एन. राव के योगदान का पुनर्मूल्यांकन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) गुलाबी नगरी जयपुर आज एक ऐतिहासिक बौद्धिक विमर्श की साक्षी बनी, जहाँ "संविधान निर्माता बी. एन. राव इतिहास का विस्मरण या अन्याय?" विषय पर राष्ट्रीय विचार विमर्श आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देश के प्रखर वक्ता, राष्ट्र चिंतक एवं शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप जी महाराज ने संविधान, राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय जैसे मूलभूत विषयों पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का संचालन श्री धर्म फाउंडेशन के संस्थापक एवं महासचिव गब्बर कटारा ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम के आरंभ में विषय की पृष्ठभूमि रखते हुए यह स्पष्ट किया कि राष्ट्र के बौद्धिक इतिहास को पुनर्स्थापित करना समय की मांग है। स्वामी आनंद स्वरूप जी महाराज ने बताया कि भारत के संविधान निर्माण में बी. एन. राव (बेनुगुप्पुला नरसिंह राव) की भूमिका को लंबे समय तक जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है, जबकि उन्होंने ही संविधान का प्रारंभिक प्रारूप तैयार किया था। उन्होंने बताया कि बी. एन. राव ने अमेरिका, यूके, कनाडा और आयरलैंड जैसे देशों के संविधानों का गहन अध्ययन कर भारतीय संविधान की नींव रखी। वे तत्कालीन संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे और उनकी कानूनी दृष्टि ने संविधान निर्माण को एक ठोस बौद्धिक आधार प्रदान किया। स्वामी आनंद स्वरूप जी ने कहा, "इतिहास में जिसे सिर्फ सलाहकार कहा गया, वही असल निर्माता था। यह एक ऐतिहासिक अन्याय है कि बी. एन. राव जैसे युगपुरुष का नाम आम जनमानस से लगभग लुप्त कर दिया गया है। अब समय आ गया है कि हम अपने वास्तविक संविधान निर्माता को पहचानें और उन्हें यथोचित सम्मान दें।" वक्तव्य में उन्होंने आरक्षण नीति पर भी गंभीर विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण का उद्देश्य समाज के वास्तव में वंचित और शोषित वर्गों को मुख्यधारा में लाना है, न कि उन वर्गों को जो अब सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से संपन्न हैं। "जो व्यक्ति हर क्षेत्र में सक्षम हैं, उन्हें आरक्षण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए," – उन्होंने कहा। इस विचारोत्तेजक विमर्श में जयपुर के कई गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी, अधिवक्ता और युवा शामिल हुए। कार्यक्रम में आचार्य राजेश्वर जी, महंत दीपक जी महाराज, जेडी महेश्वरी जी, सुनील उदेईया, पवन गोयल, डॉ हेमलता शर्मा, पंकज शर्मा सोडाला, संजय शर्मा,ऐडवोकेट अनिल चतुर्वेदी, एडवोकेट सुनील शर्मा, अधिवक्ता ईशा राव, एडवोकेट प्रियंका गौड़, के. के. शर्मा, माधव राजपुरा, डॉ तरुण माथुर, अभिषेक शर्मा सहित अनेक प्रतिष्ठित जन उपस्थित रहे और उन्होंने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मणिपुर के विधायक और पूर्व आईएएस राम सोयता जी, मशहूर प्लास्टिक सर्जन श्रीधर जी, पवन पारीक जी आदि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल इतिहास को पुनः स्थापित करना था, बल्कि वर्तमान पीढ़ी को यह संदेश देना भी था कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र का बौद्धिक और सांस्कृतिक दर्पण है, जिसकी रचना में जिन महापुरुषों का योगदान रहा है, उन्हें उचित स्थान मिलना ही चाहिए।

बामनेरा ग्राम पंचायत की अनदेखीः लाखों खर्च कर लगाए सैकड़ों पौधों ने तोड़ा दम

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। ग्राम पंचायत बामनेरा की कालीकरतूत सामने आई है,जहां सैकड़ो पौधे सूखने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक जश्न मनाते हुए हरियालो राजस्थान,हरित पंचायत के साथ कुछ दिनों पूर्व लाखों रुपए खर्च कर मनरेगा के तहत गोचर चारागाह परिसर में पौधे लगाए गए थे जो पौधारोपण के बाद सैकड़ों पौधे मर गए हैं। ग्राम पंचायत की अनदेखी और लापरवाही के कारण सरकारी पैसों को जिम्मेदारों ने पानी में बहा दिया। बिना संरक्षण देखरेख के अभाव में हमेशा के लिए पौधे सूखा दिए। ग्राम पंचायत ने पौधरोपण को लेकर सरकारी पैसों और खजाने का दुरूपयोग हुआ है। जहां अधिकारी और नेताओं ने गोचर भूमि में पौधारोपण किया,वहां जब हाल देखा तो आंखें भर आईं,कैसे जिंदगी हार गए पौधे ...। ग्राम पंचायत द्वारा गोचर चारागाह पर रोपित किये पौधा पानी बिना के कारण कई सारे पौधे सुख गए हैं,और सुखने की कगार पर हैं। ग्राम पंचायत बामनेरा में हरियालो राजस्थान पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए माहौल जश्न जैसा ही था,जहां कहीं अफसरों से पौधा लगवाकर हरित महोत्सव की शुरूआत की थी,तो कहीं जनप्रतिनिधियों के हाथों से छाया और फलदार पौधे लगाए गए थे। समय पर पानी नहीं देने से सैकड़ो की संख्या में पौधे सुख गए हैं, धरातल पर पौधे नहीं मजदूरों द्वारा खोदे गए खड्डे दिखाई दे रहे है। गोचर में पौधरोपण करते लोगों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के साथ अखबारों में भी छाए रहे,लेकिन लापरवाही के चलते कुछ दिनों बाद एक एक कर सारे पौधे सुख गए। इन सैकड़ो पौधे के सूखने का जिम्मेदार कौन,,?? यह एक जांच का विषय भी है,क्योंकि सरकार के लाखों रुपए खर्च करने के बाद गोचर में लगाए गए उक्त पौधों को पानी क्यों नहीं मिला। साथ ही पौधों को देखने कोई पहुंचा ही नहीं।

यह है पूरा मामला

पेड़ लगाओ जीवन बचाओ इस धरती को सर्वाग बनाओ, इस अभियान के तहत ग्राम बामनेरा के गोचर चारागाह भूमि पर जुलाई 2024 के अंदर मनरेगा के दौरान पौधारोपण कार्य लंबे समय तक चला। राज्य सरकार की मंशा के अनुरुप चारागाह भूमि को हरीयाली बनाना मुख्य उद्देश्य पर 15.58लाख खर्च किया। उसमें 9.91लाख श्रमिकों की मजदूरी व 5.67लाख सामग्री के लिए खर्च किए गए। पंचायत ने पौधरोपण तो किया पर देखरेख नहीं की, और नहीं पानी पिलाने के लिए कोई व्यवस्था की गई तथा नही सुरक्षा की। इस प्रकार पंचायत के पास न टयूबवेल न टैंकर की व्यवस्था थी। इसके अभाव में नतीजा यह हुआ कि कुछ पौधे सुख गए, कुछ ही पौधे जीवित रहे हैं। हालांकि सुरक्षा के लिए चारागाह में दो गेट बने हुए हैं और चारों ओर तारबंदी की हुई है।

विधायक की उदासीनता से विधानसभा क्षेत्र हुआ लावारिस, क्षेत्रवासियों में आक्रोश

आरोप ना क्षेत्र में आतीं और ना ही कोई विकास कार्य करवातीं विधायक

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी से निर्वाचित विधायक शोभारानी कुशवाह की उदासीनता से विधानसभा क्षेत्र पिछड़ता जा रहा है, जिससे नागरिकों में खासा आक्रोश व्याप्त है। विधानसभा क्षेत्र के लोगों का आरोप है। कि उनकी विधायक ना तो क्षेत्र में आती हैं, और ना ही कोई विकास कार्य करवाती है। ऐसे में पूरा विधानसभा क्षेत्र लावारिस तुल्य हो गया है। विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद से ही लगातार क्षेत्र से दूरी बनाई हुई हैं। जिससे मतदाता उन्हें चुनकर खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। क्षेत्र के नागरिकों को किसी काम अथवा अपनी कोई समस्या लेकर विधायक के कार्यालय पर पहुंचते है, तो वहां मौजूद लोगों के द्वारा हर बार उन्हें टका सा जवाब दे दिया जाता है, कि विधायक जी तो फिलहाल बाहर हैं। ऐसे में लोगों को अपने किसी भी काम करवाने अथवा समस्याओं के निराकरण के लिए अन्य अन्य जनप्रतिनिधियों के भरोसे रहना पड़ रहा है। वहीं विधायक की इस उदासीनता से क्षेत्र का विकास भी बाधित हुआ पड़ा है, क्योंकि विधानसभा क्षेत्र के लोगों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। निर्वाचित विधायक को क्षेत्रिय विकास एवं अपने स्वविवेक से लोगों की सहायता हेतु बड़ी राशि विधायक निधि के तौर पर मिलती है, लेकिन विधायक शोभरानी का आलम यह है कि चुनाव जीतने के बाद से ही यह क्षेत्र से ही लगातार नदारद बनी हुई है। जिससे स्थानीय मतदाता ना तो उन्हें अपनी परेशानी बता पाते हैं, और ना ही उनसे कोई मदद मांग पाते हैं। यही वजह है कि विधायक शोभारानी के द्वारा अपनी विधायक निधि से भी किसी की कोई मदद नहीं की गई है। विगत 30 जुलाई 2023 को कोतवाली थाना क्षेत्र के पुराना शहर में मोहर्रम त्यौहार पर ताजिया के जाते वक्त 3 लोग करंट की चपेट में आए थे। मृतकों के परिजनों का आरोप है, घटना के बाद मौजूदा विधायक के द्वारा विधायक निधि से परिजनों को आर्थिक मदद का भरोसा दिया गया था। लेकिन अभी तक मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद उपलब्ध नहीं कराई गई है। मृतक 35 वर्षीय मुबीन पुत्र दिलशाद के परिजनों ने बताया कि हादसे में मुबीन की जान जाने के बाद उनके बच्चे अनाथ हो गए है। परिजनों ने बताया कि मुबीन के द्वारा मेहनत मजदूरी करके बच्चों का पालन पोषण कराया जाता था।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0118/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा पारस माइंस एंड मिनरल्स एम. एल. नंबर 339/05 क्वार्ट्ज़, फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव गाडराटा तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनू खसरा संख्या 2183 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय झुंझुनू में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0147/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 24.06.2024 के द्वारा पारस माइंस एंड मिनरल्स एम. एल. नंबर 340/05 क्वार्ट्ज़, फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव गाडराटा तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनू खसरा संख्या 2183 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय झुंझुनू में जन साधारण के लिए उपलब्ध है।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0897/Cat.B2/2024-25,JAIPUR Dated 30.12.2024 के द्वारा मातेश्वरी माइंस एम. एल. नंबर 279/06 चेजा पत्थर गांव जलपाला की ढाणी, गाडराटा तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनू खसरा संख्या 850,1618,1619 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय झुंझुनू में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0078/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा श्री कृष्णा माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 384/06 चेजा पत्थर ग्राम डोकन तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 408/2 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

बागावास अहिरान में ग्रामीणों ने दिखाई एकजुटता

विराटनगर(निसं.)। गांव बागावास अहिरान में पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल पेश करते हुए ग्रामीणों ने तालाब की सफाई कार्य में सामूहिक भागीदारी निभाई। गर्मी के चलते तालाब का जलस्तर घटने और गंदगी बढ़ने से मछलियों के जीवन पर संकट उत्पन्न हो गया था। इसे देखते हुए ग्रामीणों ने तालाब की सफाई के साथ मछलियों को बचाने के लिए विशेष मुहिम शुरू की।इस पुनीत कार्य में गांव के अनेक गणमान्य नागरिकों और युवाओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। इस दौरान मामराज मीणा, संतोष मिश्रा, डॉ. लक्ष्मण यादव, सुभाष सिंह शेखावत, रामावतार कावरिया,शिक्षाविद छीतर मल यादव, पूर्व सरपंच रमेश चंद यादव, जगदीश योगी, रमेश चंद्र मीणा (इंस्पेक्टर, सीआरपीएफ), सुरेश चंद्र मीणा, सावरमल मीना, रामसिंह गल्डवाल, जितेंद्र प्रजापत,कालूसिंह शेखावत, सुरेश कुम्हार, भंवरसिंह शेखावत, मूलचंद यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे।इस स्वैच्छिक अभियान के दौरान ग्रामीणों ने न केवल तालाब की सफाई की, गांव के वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं की यह साझा कोशिश पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गई है।शिक्षाविद छीतर मल यादव ने बताया कि यह पहल सिर्फ मछलियों की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ जल स्रोत उपलब्ध कराने का भी प्रयास है। वहीं मामराज मीणा ने कहा कि यदि हर गांव इस तरह की पहल करे तो जलसंकट और पर्यावरणीय समस्याओं से बड़ी हद तक निपटा जा सकता है।गांव के सामाजिक समर्पण और पर्यावरण के प्रति सजगता को दर्शाते इस अभियान को सभी ने सराहा है। ग्रामीणों की एकजुटता ने यह साबित कर दिया कि जब समाज जागरूक होता है, तो किसी भी चुनौती का समाधान संभव है।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0117/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा पारस माइंस एंड मिनरल्स एम. एल. नंबर 338/05 क्वार्ट्ज़,फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव गाडराटा तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनू खसरा संख्या 2183 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www. rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय झुंझुनू में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0088/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा श्री कृष्णा माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 388/06 चेजा पत्थर ग्राम डोकन तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 408/2 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

महिला का जला हुआ शव मिलाए घर से 100 मीटर दूरी पर मिली बॉडी

राजसमंद (निसं.)।राजसमंद के देवगढ़ थाना सर्कल में महिला का जला हुआ शव मिला। देवगढ़ थाना सर्कल की मंडावर पंचायत क्षेत्र में महिला का जला हुआ शव मिलने की सूचना पर ग्रामीण पहुंचे जिसके बाद देवगढ़ पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर देवगढ़ पुलिस थाना इंचार्ज अनिल विश्नोई मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे ओर शव को देवगढ़ के हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के अनुसार शनिवार देर रात्रि को देवगढ़ थाना सर्कल में मंडावर में महिला के शव की सूचना मिली जो पूरी तरह से जला हुआ था। जिसके बाद एएसपी महेन्द्र पारीक, पुलिस थाना इंचार्ज अनिल विश्नोई मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और शव को देवगढ़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0314/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 30.08.2024 के द्वारा शिव शक्ति माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 541/05 क्वार्ट्ज़,फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव ग्राम लादी का बास/कुंडाला तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 135,152,151,327 & 328 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/wy/SEAC2/MIN/R.EC/0085/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा शिव शक्ति माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 86/06 क्वार्ट्ज़,फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव ग्राम लादी का बास/कुंडाला तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 152,220 to 224, 336 to 341, 390 to 399 & 404 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

कार्यालय- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email:-, msdbhchuru@gmail.com Phone: 01562-250333
कमांक- लेखा/निविदा/2025/2011 दिनांक- 31.5.25

निविदा आमन्त्रण सूचना

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री कय/ कार्य हेतु वार्षिक दर संविदा / अनुबन्ध किया जाना है। अतः इच्छुक निविदादाताओं यथा - विर्निमाताओं/ अधिकृत फर्मों डीलरों / बोनाफाइड डीलर्स आदि से दो रूपों में निविदा प्रस्ताव यथा-तकनीकी प्रस्ताव व वित्तीय प्रस्ताव हेतु मुहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमन्त्रित है। निविदा की शर्ते, निविदा शुल्क, अमानत राशि, अनुमानित लागत, ई निविदा प्रपत्र विक्रय / डाउनलोड कर प्रस्तुत करने / निविदा खोलने की तिथि व समय इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय कार्य दिवस / समय में और वैवसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखने / डाउनलोड करने हेतु अपलोड कर दी गयी हैं।

क्र.सं.	निविदा सामग्री का विवरण	Tender Id.
1	MAA योजनान्तर्गत सर्जिकल शल्य उपकरण व रिपेल्समेंट	2025_MEDIC_468650_1

सदस्य सचिव (RMRS)
राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

कार्यालय- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email:-, msdbhchuru@gmail.com Phone: 01562-250333
क्रमांकः- लेखा/निविदा/2025/ 2007 दिनांक- 30.5.25

निविदा आमन्त्रण सूचना

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री क्रय/कार्य हेतु वार्षिक दर संविदा / अनुवन्ध किया जाना है। अतः इच्छुक निविदादाताओं यथा - विर्निमाताओं/अधिकृत फर्मो / डीलरों / बोनाफाइड डीलर्स आदि से दो रूपों में निविदा प्रस्ताव यथा-तकनीकी प्रस्ताव व वित्तीय प्रस्ताव हेतु मुहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमन्त्रित है। निविदा की शर्ते, निविदा शुल्क, अमानत राशि, अनुमानित लागत, ई निविदा प्रपत्र विक्रय /डाउनलोड कर प्रस्तुत करने/निविदा खोलने की तिथि व समय इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय कार्य दिवस / समय में और वैवसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखने / डाउनलोड करनें हेतु अपलोड कर दी गयी हैं।

क्र.स.	निविदा सामग्री का विवरण	UBN No.
1	HCV Dialysis/ medicine Consumable Item purchases	MHS2526GSRC01423
2	नेत्र विभाग में दवाई / कंज्युमेबल आईटम्स क्रय हेतु	MHS2526GSRC01424
3	सफाई कार्य हेतु सफाई सामग्री आईटम्स क्रय हेतु	MHS2526GSRC01426
4	बायोवेस्ट पॉली बैग क्रय हेतु	MHS2526GSRC01427
5	ब्लड बैंक रिजेंटस क्रय हेतु	MHS2526GSRC01429

सदस्य सचिव (RMRS)
राजकीय डी. बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

मधुकर सेवा संस्थान की ओर से पर्यावरण और कुटुंब प्रबोधन पर विचार गोष्ठी का आयोजन

धौलपुर। मधुकर सेवा संस्थान की ओर से पर्यावरण और कुटुंब प्रबोधन पर विचार गोष्ठी का आयोजन स्थानीय मयूरी विशेष विद्यालय, औडेला रोड पर किया गया। विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता जीएलए विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति दुर्ग सिंह चौहान ने पर्यावरण संतुलन को जीवन के लिए आवश्यक बताया। वहीं पर्यावरण के सुधार के लिए विभिन्न प्रजाति के फलदार और छायादार पौधों को भी रोपित करने और उनकी देखभाल पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वाहनों का उपभोग बढ़ा है। उसके सापेक्ष रास्ते आदि बनवाने में पेड़ों को काटा जा रहा है। ऐसे में पर्यावरण को बचाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की जरूरत है। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन पर बोलते हुए कहा कि हमारी 'वसुधैव कुटुंबकम' की विराट अवधारणा के लिए हमारे कुटुंब का मजबूत होना जरूरी है। परिवार भारतीय समाज की वह प्रथम कड़ी है, जहाँ परिवर्तन की नींव सशक्त बनती है। यह समाज की सशक्त पाठशाला है।

कार्यालय ग्राम पंचायत घटियाल बडी पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक- ग्रापं घटियाल बडी / 2025-26/31-39 दिनांक- 31.05.2025

ई- निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

इस कार्यालय के निम्नानुसार कार्य को सम्पादित करने हेतु पहली वर्षाकाल समाप्ति पश्चात एकवर्ष की डिफेक्टिव लाईब्लिटिज के साथ उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान केन्द्र सरकार में पंजीकृत संवेदको से ई-टेण्डर प्रक्रिया के द्वारा ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदा SPPPPortal पर Upload कर दी गयी हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित राशि (रूपये)	धरोहर राशि (रूपये)
1	फैलियर ट्यूबेल के स्थान पर नया ट्यूबेल निर्माण धोरा मानपुरा ग्राम पंचायत घटियाल बडी	999000	20000
2	ऑनलाइन फार्म डाउनलोड व जमा/अपलोड करने की तारीख	02.06.2025 प्रात 10.00 बजे से 09.06.2025 दोपहर 1 बजे तक	
3	धरोहर राशि निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस डी. डी. / बैकर्स चैक एवं अन्य मूल कागजात कार्यालय में जमा कराने की तारीख	09.06.2025दोपहर 2 बजे तक	
4	ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	09.06.2025दोपहर 3 बजे से	

उक्त से संबंधित अन्य विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http:// sppp. rajasthan.gov.in पर से NIB NO ZCR2526A0332 UBN No ZCR 2526 WSOB 00535 के द्वारा Download कर देखा जा सकता है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत घटियाल बडी
प.स. बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत घटियाल बडी
प.स. बीदासर (चूरू)

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्या RJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0083/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा शिव शक्ति माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 534/05 क्वार्ट्ज़, फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव ग्राम लादी का बास/कुंडाला तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 135,152,328,329,335,340,400,401,404 & 405/1के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है ह्न उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान के पत्र संख्याRJ/24/SEAC2/MIN/R.EC/0084/Cat.B2/2023-24, JAIPUR Dated 18.06.2024 के द्वारा शिव शक्ति माइंस एंड मिनरल्स एम् एल नंबर 87/06 क्वार्ट्ज़,फेल्डस्पार एवं चेजा पत्थर गांव ग्राम लादी का बास/कुंडाला तहसील पाटन जिला सीकर खसरा संख्या 123,124,127,128,130,131 to 135 & 151 के लिए पर्यावरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय जयपुर की वेबसाइट www.rpcb.nic.in पर उपलब्ध है एवं क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय सीकर में जन साधारण के लिए उपलब्ध है

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
2 जून, 2025

गीता क्लासेज में बच्चों ने लिया पौधरोपण का संकल्पः सिंघानिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रत्येक रविवार को भास्कर भवन में चल रही गीता क्लासेज में रविवार को आयोजित क्लासेज में बच्चों को पौधरोपण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों ने संकल्प लिया कि इस बार वर्षा ऋतु के मौसम में हम सब एक-एक पेड़ जरूर लगाएंगे। गीता क्लासेज में नियमित अध्ययन कर रहे बच्चों को जरूरी 9 नियम और प्रार्थना का अभ्यास करवाया। इस दौरान सूरत की प्रियंका अग्रवाल व रेनू बजाज ने बच्चों को शब्दों के अर्थ के बारे में जानकारी दी गई। आचार्य जनार्दन ने 12वें व 15वें अध्याय की अलग से कक्षा लगवाई। इस अवसर पर मोहित सिंघानिया, प्रमोद गौड़, दिव्या शर्मा, पूजा शर्मा व मेघराज बजाज ने सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघानिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बोलेरो चालक ने ऑटो को 10 मीटर तक घसीटा

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। एनएच 11 पर बोलेरो चालक की दबंगई का मामला सामने आया है। एक बोलेरो चालक ने एक ऑटो को करीब 10 मीटर तक घसीटा, जिसके बाद ऑटो चालक ने राजलदेसर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना एनएच 11 पर घटित हुई। बोलेरो चालक की लापरवाही और दबंगई के चलते ऑटो को काफी दूर तक घसीटा गया, जिससे ऑटो चालक को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऑटो चालक ने तुरंत राजलदेसर पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांधी बाल निकेतन में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर की श्रीगांधी बाल निकेतन में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 54 प्रतिभाओं को स्कॉलरशीप भी प्रदान की जाएगी। कक्षा 10 में भानुप्रतापसिंह शेखावत ने 97.17, अर्पित गौड़ व वैष्णवी स्वामी ने 93.83 व पूर्वा माठोलिया ने 93.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं स्कूल के 15 विद्यार्थियों ने 90 तथा 54 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। कक्षा 12 कला वर्ग में भाविका नोखवाल ने 96.20 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग में माही रामगढ़िया ने 95.20 प्रतिशत व विज्ञान वर्ग में कुमकुम सैनी व निधि कंवर ने संयुक्त रूप से 94.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं कक्षा आठ के परीक्षा परिणाम में स्कूल के 64 विद्यार्थियों ने ए ग्रेड प्राप्त की है। 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशीप भी प्रदान की जाएगी। वहीं कक्षा 11 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को भी 16 हजार से 60 हजार तक की स्कॉलरशीप प्रदान की जाएगी।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में दसवीं और बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट परिणाम होने के उपलक्ष में रविवार को सिरियासर गांव के होनहार छात्र- छात्राओं का गूगा मेड़ी चौक में रिटायर्ड वरिष्ठ अध्यापक सुभाष चन्द्र लोयल की ओर से समस्त ग्रामीणों ने मोमेंटो व साफा पहनाकर व पुष्प मालाओं से

स्वागत किया गया। लड्डू खिलाकर मुह मीठा किया। विद्यार्थियों में क्रमशः दसवीं कक्षा में आबिद पुत्र मोहम्मद हुसैन 87.83, अनिशा पुत्री अनवर खां, भूमिका पुत्री महेश कुमार 79.67 कक्षा बारहवीं में खुशबू पुत्री नरेश कुमार 86.60, सरताज पुत्री महमूद खां 85,60 वहीं कोमल पुत्री मनोहर मीणा 84 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान पर रही। इस दौरान सिरियासर कलां पूर्व उपसरपंच कदीर बानों, बंशीधर गर्वा, मनीष कुमार, फरमान अली, मौलाना महमूद, महेश कुमार,नरेश कुमार, मनोहर मीणा, कमलेश गर्वा, बाबू, इब्राहिम, लियाकत खां, चौधरी बजरग, राजेश, नरेश, फूलाराम, देवीलाल, बंशी, राजाराम सहित कई ग्रामीण मौजूद रहें। संचालन कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष समसाद खान ने किया।

पार्किंग व्यवस्था का छोड़ा सवाल

नगरपरिषद व पुलिस प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। बाजारों में नगरपरिषद और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार के दिन अतिक्रमण हटाने का काम किया और आम सड़क पर रखे कई ठेले, बाईक्स व अन्य सामान जप्त कर लिया। हालांकि नगरपरिषद प्रशासन की ओर से अभियान शुरू करने से पहले यह नहीं बताया गया कि आम लोगों, व्यापारियों, उपभोक्ताओं को बाजारों में कौनसी पार्किंग्स में जाकर अपनी बाईक्स खड़ी करनी है। जहां पर जो बाईक रास्ते में खड़ी मिली, उसे भी उठाया गया। लोगों में इस कार्यवाही से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शहर के पुराने बस स्टेंड, स्टेशन रोड, गांधी चौक आदि स्थानों पर अतिक्रमण तो हटा दिए गए हैं, लेकिन यह व्यवस्था कितने दिनों तक चलेगी, किसी के पास कोई जवाब नहीं है। क्योंकि नगरपरिषद ने अब तक कोई पार्किंग मुहैया नहीं करवाई है और न ही कॉम्पलेक्स मालिकों को पाबन्द किया है कि वो अपने यहां आने वाली सारी बाईक्स को कॉम्पलेक्स के अन्दर खड़ी करने की व्यवस्था करें। क्योंकि कॉम्पलेक्सों में आम तौर पर पार्किंग बेसमेंट में होती है और 90 प्रतिशत

कॉम्पलेक्स में बेसमेंट के अंदर दुकानें बनाकर बेच दी गई हैं। नगरपरिषद उस वक्त चुप रहती है, जब कॉम्पलेक्स बनते हैं। बाद में अतिक्रमण हटाने के नाम पर जनता को काफी पुरजोर तरीके से परेशान किया जाता है। इस बारे में मरूदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने बताया कि सुजानगढ़ शहर में स्थाई अतिक्रमण हटाने के प्रयास होने चाहिए। लेकिन शहर में एक भी घोषित पार्किंग स्थल नहीं हैं। ऐसे में लोगों की मोटर साइकिल को पुलिस की ओर से उठाना गलत हैं। लोग अपने दुपहिया वाहन कहां खड़ा करें? इसका जवाब तो प्रशासन को देना चाहिए। मंदी के इस दौर में चालान के नाम पर जनता की जेब काटने की व्यवस्था करके प्रशासन पार्किंग मुहैया करवाने की खुद की जिम्मेदारी पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहा है, जो जनता के साथ सीधा अन्याय है। और तो और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आम लोगों के साथ हो रहे अन्याय को लेकर कुछ नहीं बोलते, जो उनके सिस्टम में सेट होने की बात जाहिर करते हैं। स्टेशन रोड़ के व्यापारी कपिल शर्मा ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करने से पहले नगरपरिषद को शास्त्री प्याउ, गांधी चौक, घंटाघर, नया बाजार चौक, पुलिया चौक, सब्जी मंडी सहित करीब 10 स्थानों पर 1-1 हजार वर्गगज क्षेत्रफल की पार्किंग की व्यवस्था कर आम जनता को इसकी सूची की जानकारी देनी चाहिए। ताकि लोग अपनी बाईक्स वहां पर पार्क कर सकें। पार्किंग मुहैया करवाने के बाद अगर कोई व्यक्ति नो पार्किंग में वाहन खड़ा करता है, तो उस पर जुर्माना जायज है। नहीं तो जनता को परेशान करने के सिवाय ये कार्यवाही और कुछ नहीं कही जा सकती। कपिल ने बताया कि ग्राहक बाजार आता है, तो उसकी बाइक की हवा निकाल देते हैं, बाइक जप्त कर लेते हैं, तो ग्राहक बाजार में कैसे आएगा? इस प्रकार आम आदमी, व्यापारियों को परेशान करके प्रशासन अपने मुख्य कर्तव्य से कब तक भागेगा। कॉमरेड जगदीश नाथ ने बताया कि पुलिस प्रशासन और नगरपरिषद की ओर से अतिक्रमण हटाना सराहनीय कार्य है। लेकिन कम से कम जनता को पार्किंग मुहैया करवाकर कार्यवाही करो, ताकि जनता को भी पता रहे, कि उसने नियम तोड़ा है और उस पर जुर्माना लगाया गया है। जनता के लिए पार्किंग की सुविधा होनी चाहिए और जो हाथ ठेले लगा करके अपना जीवन यापन कर रहे हैं, उनके लिए अलग से वेंडिंग में उनको सेट करना चाहिए। इस बारे में सांसी समाज के बीकानेरवाटी अध्यक्ष महेश कुमार सांसी ने बताया कि जो व्यक्ति सड़क पर बैठ कर अपने परिवार का पेट भर रहा है। उसके लिए प्रशासन और नगरपरिषद कार्यवाही करने आ जाते हैं। लेकिन बिना पार्किंग वाले कॉम्पलेक्स में पार्किंग की व्यवस्था करने की बात आती है, तो प्रशासन को सांप सूंघ जाता है। गरीब व्यक्तियों पर नियम लागू कर उनको नियम पालन के लिए बाध्य करना और अमीरों के लिए सब नियम कायदों को ताक में रखना कहां तक जायज है। सुजानगढ़ में और भी गलत काम हो रहे हैं, उन पर भी तो कार्यवाही की जानी चाहिए। कुल मिलाकर अगर देखा जाए, तो जनता पार्किंग की मांग कर रही है, लेकिन प्रशासन और पुलिस रोज-रोज बाजारों में वाहन खड़े करने वाले लोगों के जुर्माने की व्यवस्था कर रहा है। लेकिन दुपहिया वाहनों के लिए पार्किंग के लिए कम से कम 10 स्थान जब तक चिन्हित नहीं किए जाएंगे, तब तक इस समस्या का समाधान होना नहीं है। पार्किंग की सुविधा दिए बिना ही प्रशासन की ओर से वाहन चालकों पर कार्यवाही करने अपने आप में एक गंभीर समस्या बन गई है।

नमस्कार महामंत्र आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री जयकुमार ठाणा 2 के पावन सान्निध्य में अपने मन, वाणी और कर्म को शुद्ध करने, अपने भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने व शक्तिसंवर्धन करने और प्रतिरोधात्मक क्षमता का विकास करने के लिए राजलदेसर के वृद्ध साध्वी सेवा केंद्र 'पूर्व' (पुराना ठिकाणा) में नमस्कार महामंत्र आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सुबह 9 से 10 बजे तक हुए इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में अपने जीवन को आध्यात्मिक शांति और शुद्धता से भरने के लिए सर्व समाज ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मुनिश्री जयकुमार ने आचार्य महाप्रज्ञ की पुस्तक 'एसो पंच णमोक्कारो' का उद्धरण प्रस्तुत करते हुए नमस्कार महामंत्र की महत्ता बताते हुए कहा कि नमस्कार महामंत्र सब पापों का नाश करने वाला और सब मंगलों में प्रथम मंगल है। यदि शुद्ध मन और श्रद्धा के साथ नमस्कार महामंत्र की एक माला कर ली जाए तो लाभ मिलता है। नमस्कार महामंत्र आध्यात्मिक अनुष्ठान में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, महिला मंडल, युवक परिषद,

कन्या मंडल सहित सभी संघीय संस्थाओं व सर्व समाज की सहभागिता रही। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राजकुमार विनायकिया ने मुनि श्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सहभागिता निभाने वालों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ से हुआ।

स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय इंजीनियर गिरा, मौत

नदबई(निस)। नदबई रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात बिजली विभाग के एक इंजीनियर की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वे चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे और असंतुलित होकर नीचे गिर पड़े। जानकारी के अनुसार बक्सर (बिहार) निवासी अरुण सिन्हा, निजी कंपनी में साइड इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। जावली (अलवर) में निर्माणाधीन पावर हाउस की निगरानी के लिए अपने स्टाफ के साथ आए हुए थे। अरुण के सहयोगी राजकुमार के अनुसार, शनिवार शाम कार्य समाप्ति के बाद अरुण भरतपुर से बीकानेर जाने के लिए ट्रेन में सवार हुए थे। ट्रेन को नदबई स्टेशन पर क्रॉसिंग के कारण अस्थाई रूप से रोका गया था। इसी दौरान अरुण किसी कारणवश ट्रेन से नीचे उतर गए। जब ट्रेन दोबारा चलने लगी, तो वे उसमें चढ़ने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वे नीचे गिर गए और ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तुरंत स्टेशन स्टाफ और पुलिस को सूचना दी। जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर नदबई के राजकीय जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में भिजवाया।

मंडावा की 'खुशी' ने बनाया कीर्तिमान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 11 निवासी नवीन कुमार काला की पुत्री खुशी कुमारी काला ने मेट्रिक्स स्कूल सीकर से 10 वीं बोर्ड में 98.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडावा का नाम रोशन किया। खुशी के मंडावा पहुंचने पर सियाराम बगीची तिराहे से मुख्य बाजार होते हुए डीजे के साथ विजय जुलूस निकालकर खुशी मनाई। इस अवसर पर शिवकुमार काला, मदन खोवाल, बृजलाल काला, बनवारीलाल राठी, दिनेश काला, लच्छू बोयल, सुनिल दत्त राठी, नंदलाल राठी, जुगल किशोर गहनोंलिया, पूर्व चैयरमेन तीजादेवी आर्य, मूलचंद खोवाल, अमित सैनी, अभिषेक मंड्रेला, छोटेलाल काला मौजूद रहे। मिठाई वितरित कर व माल्यार्पण कर खुशी का अभिनंदन किया ।

महिलाओं का सुहाग उजाड़ा गया वो आतंकी तो मौत के घाट अभी तक उतारे नहीं गए- मंडेलिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू जिला मुख्यालय शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी अगर घर-घर जाकर सिंदूर बंटाना चाहते हैं, तो पहले कुछ सवालों के जवाब जनता जानना चाहती हैं। पराए आदमियों की ओर से दिया गया ये 'सरकारी सिंदूर' किसके और किसलिए काम आएगा? जिस डिब्बी में सिंदूर जाएगा, उसमें भी नरेंद्र

मोदी की फोटो छपेगी, क्योंकि जो व्यक्ति कोरोना सर्टिफिकेट में अपनी फोटो छपवा चुका है, वो ये काम नहीं करेगा? भाजपा और आर एस एस के लोग महिलाओं के पास सिंदूर लेकर जाएंगे- क्योंकि इनके मंत्री विजय शाह कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा कहते हैं कि वे महिलाएं वीरांगना नहीं थीं, इसलिए उनके पति गोली का शिकार हुए। ये फेहरिस्त अंतहीन है, लेकिन जब तक ऐसे नेताओं को भाजपा अपनी पार्टी से नहीं निकालती है, तब तक भाजपा को यह कार्य करना शोभा नहीं देता है। आए दिन इनके नेताओ की महिलाओ के साथ अपमान की बाते सामने आती रहती हैं। इस अवसर पर पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, धर्मेन्द्र बुडानिया मोहम्मद हुसैन निर्वाण, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, युवा नेता रमजान खान, हेमन्त सिहाग, आनन्द सैनी एडवोकेट, पार्षद विमल शर्मा, पार्षद अली मोहम्मद भाटी, प्यारेलाल दानोदिया, संजय भाटी, पार्षद इस्माइल भाटी, युगेश ढाका, आरिफ़ रिसालदार, शाहिद खान, फारूक चौहान, सूर्य प्रकाश वर्मा, तारीख़ नागौरी आदि उपस्थित रहे।

हनुमानगढ़ में नशीले पदार्थों के साथ दो गिरफ्तार

हनुमानगढ़(निस)। हनुमानगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में नशीले पदार्थ पकड़ी है। पहली कार्रवाई में पुलिस थाना सदर हनुमानगढ़ के थानाधिकारी अजय कुमार ने टीम के साथ गश्त के दौरान कार्रवाई की। टीम ने हर्ष सोनी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी 24 वर्षीय हर्ष, वार्ड नंबर 5 जंडावाली का रहने वाला है। उसके कब्जे से 4 किलो 34 ग्राम डोडा पोस्त और 91 ग्राम अफीम बरामद की गई। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 18 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

रामावतार बरवाड़िया राष्ट्रीय संगठन मंत्री और सचिन भद्रेचा प्रदेश संगठन मंत्री बने

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली की राष्ट्रिय कार्यकारिणी का गठन करते हुए सरदारशहर के वरिष्ठ समाजसेवी रामवतार बरवाड़िया को राष्ट्रीय संगठन मंत्री बनाया गया है। साथ ही सरदारशहर के सचिन भद्रेचा को प्रदेश संगठन मंत्री बनाया है। जांगिड़ समाज ने राष्ट्रीय प्रधान रामपाल जांगिड़ व प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा का आभार व्यक्त किया गया। महासभा जिला अध्यक्ष नीरज रोलीवाल ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य पृष्ठ समाजसेवी और समाज के लिए अग्रणी रूप से रहकर कार्य पूर्ण करने वाले समाज बंधुओं को सरदारशहर से राष्ट्रीय लेवल व प्रदेश लेवल पर पदाधिकारी बनाकर सरदारशहर का मान बढ़ाया है। इसके लिए राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री सांवरमल जांगिड़, प्रदेश अध्यक्ष व समस्त महासभा का आभार और धन्यवाद इन समाज बंधुओ की नियुक्ति से समाज के कार्य में और ज्यादा बढ़ाव

मिलेगा तथा सामाजिक क्षेत्र में चूरू जिला अव्वल रहेगा। तहसील अध्यक्ष सुरजाराम ने बताया कि समाज बंधुओं को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में लेकर समाज का मान बढ़ाया है। साथ ही समाजसेवियों का सम्मान भी किया है। इसके लिए तहसील सभा सरदारशहर की तरफ से आभार और धन्यवाद दिया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष बनवारीलाल राजोतिया, चम्पालाल मिसण, लालचंद लदोया, राजकुमार कासलीवाल आदि ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

गायत्री शक्तिपीठ के अखंड दीप ज्योति जनजागरण यात्रा का शुभारंभ

कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान अखंड दीप व वंदनीय माताजी के जन्म शताब्दी पर राष्ट्रीय जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा का सीकर जिले के कांवट गायत्री शक्तिपीठ से श्री गणेश किया गया। रथयात्रा के आगमन पर शक्तिपीठ और गायत्री परियोजना की ओर से पूजा अर्चना कर पांच कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। टोली नायक रामनरेश साहू, छीतर मल सैनी, सुभाष सैन की ओर से प्रभावी उद्बोधन के साथ राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी, सामाजिक आपदाओं के निवारणार्थ देवी शक्ति पर प्रकाश डाला। सैकड़ो की संख्या में परिजनों ने राष्ट्र यज्ञ में आहुतियां दी?। यज्ञ राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा का मेघपूरा, सुखसिहवास

में भ्रमण हुआ तथा देव स्थापना की गई। सायंकाल 4.00 बजे शक्तिपीठ से मंगल कलश यात्रा के राष्ट्रीय जागरण ज्योति कलश यात्रा का नगर भ्रमण पर जगह-जगह पूजा अर्चना के साथ देश स्थापना की गई युग संगीत से ग्राम का वातावरण ओत प्रोत और गूंजायमान हो गया। शोभा यात्रा में जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई और जलपान व्यवस्था की गई। सायंकाल का आयोजन कालियावास में किया गया। इस अवसर पर निरंजन पारीक, वैद्य महावीर प्रसाद, जिला समन्वयक पवन कचोलिया, सुमन जलधारी, रोहतास सैनी, राम अवतार कुमावत, डॉक्टर टीएस तंवर, बीरबल गुर्जर, मोहनलाल सैनी, हेमंत चतुर्वेदी, प्रमोद चौधरी, मुकेश धमाका, हेमंत चौधरी, संतोष दिक्षित, नथमल सेन, संदीप सोवतीका, विनोद सेन, द्वारका प्रसाद, लालाराम सैनी, दिलीप सेन, अरुण सेन, नरपत सिंह, मनीष सेन, पवन शर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में महिलाओं व गायत्री परिवार से जुड़े श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

10 लाख की 2 किलो अफीम जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

हनुमानगढ़(निस)। जिले की जंक्शन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जंक्शन पुलिस ने एक युवक को 2 किलो 50 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस महानिदेशक और आईजी रेंज बीकानेर के निर्देशन पर जिले में नशा तस्करी, अवैध मादक पदार्थों और हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में हनुमानगढ़ जंक्शन थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह राठौड़ और उनकी टीम ने गश्त के दौरान यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान उदयलाल उर्फ उदा के रूप में हुई है। वह चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना क्षेत्र के तुंबरिया गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच हनुमानगढ़ टाउन थाना प्रभारी सुभाष चंद्र कर रहे हैं। इस कार्रवाई में कॉन्स्टेबल संदीप कुमार, सुरेंद्र कुमार, चंद्रविजय शेखर, हेमेंद्र सिंह और अजायब सिंह की टीम शामिल थी।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
2 जून, 2025

चूरू जिले के ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा, सरदारशहर से भरत गौड को मिली कमान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह भदौरिया के अनुमोद उपरांत जिलाध्यक्ष चूरू शमशेर भालू खां ने सभी छः ब्लॉक अध्यक्षों के नामों की घोषणा करते हुए पंद्रह दिन में ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर आशा व्यक्त करते हुए खान ने चूरू जिले में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े बुद्धिजीवियों को शिक्षक कांग्रेस प्रकोष्ठ के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा को आम जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। ब्लॉक अध्यक्षों में सरदारशहर से भरत कुमार गौड़ शाकम्भरी उमावि, चूरू से सेवा निवृत्त शिक्षक बुंटिया निवासी नाथूराम, रतनगढ़ से फकीर चंद दानोदिया, सुजानगढ़ से छोटू लाल बिसोर, राजगढ़ से ओम प्रकाश पूनियां जनाऊ खारी व तारानगर से जीताराम जांदू को ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया है।

रीको इंडस्ट्रियल एरिया स्थित पारस दाल मिल फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

दमकल की सहायता से पाया गया आग पर काबू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के रीको इंडस्ट्रियल एरिया स्थित पारस दाल मिल फैक्ट्री में अचानक शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। फैक्ट्री से धुंआ निकलता देख मौके पर मौजूद लोगों ने आग लगने की सूचना अग्निशमन केंद्र पर दी। मौके पर पहुंची दमकल ने तुरंत आग पर पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। मौके पर पहुंचे नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अग्निशमन केंद्र पर जैसे ही आग लगने की सूचना मिली हमने तुरंत दमकल को रवाना किया। समय पर दमकल पहुंचने से समय पर आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि फैक्ट्री में रखा कुछ वरदाना जल गया। अगर समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो काफी नुकसान हो सकता था। नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी ने कहा कि लगातार इंडस्ट्रियल एरिया में आगजनी की घटनाएं होती रहती है। जिसको देखते हुए रीको इंडस्ट्रियल एरिया में फायर स्टेशन बनवाया जा रहा है जो जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। जिससे यहां पर होने वाली आगजनी की घटनाओं पर जल्द आग पर काबू पाया जा सकेगा।

विद्यालय में 4 हॉल की रखी आधारशिला

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव ईयारा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाह चैनाराम लोहमरोड की ओर से 4 बड़े हॉल मय बरामदा निर्मित करवाये जाएगे। जिसके लिए रविवार को भूमि पूजन किया गया। चैनाराम लोहमरोड सुजलांचल क्षेत्र के व्यवसायी और ईंयारा गांव के निवासी हैं। जिला परिषद सदस्य सोहनलाल लोहमरोड, सरपंच प्रतिनिधि जगदीश कस्वां, घनश्याम लोहमरोड, प्रभुराम लोहमरोड, पूर्व सरपंच रेवंतसिंह, भंवर सिंह, लूणसिंह सिसोदिया, सोनसिंह, माणकचंद, रामगोपाल पिलानियां व्याख्याता, ज्ञानाराम अध्यापक, बाबूलाल पारीक आदि मौजूद रहे। प्राचार्य ओमनाथ सिद्ध की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में भामाशाह चैनाराम, घनश्याम, प्रभुराम ने प्राचार्य के साथ मिलकर भवन की आधारशिला रखी।

हत्या के मामले में नाबालिग बालिका निरुद्ध

जयपुर टाइम्स

रतनगढ/चूरू(निस)। रतनगढ़ में एक नाबालिग बालिका को हत्या के एक मामले में निरुद्ध किया गया है। जानकारी के अनुसार, बालिका "साइको टाइप" की अनपढ़ है और घटना के समय अपने घर पर अकेली थी। मृतक भीमाराम बालिका के घर आया और उसके सिर पर हाथ रखा, जिससे बालिका गुस्से में आ गई। उसने पास पड़े एक लकड़ी के डंडे से भीमाराम के सिर पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के हर पहलू पर गहनता से जांच की जा रही है। बालिका की मां की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है, और अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता के बारे में भी जांच जारी है। बालिका की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी बरामद कर ली गई है। नाबालिग बालिका को किशोर न्याय बोर्ड चूरू के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस इस मामले में अभी भी गहन अनुसंधान कर रही है।

दो मोटरसाइकिलो की टक्कर में 4 घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ साइड से जैन विश्व भारती रोड पर वाहन की टक्कर से आगे चल रही मोटरसाइकिल एक अन्य मोटरसाइकिल के पीछे से टक्कर मारने से टकरा गई और हादसे में 4 लोग घायल हो गए। जिनको निजी वाहन से सुजानगढ़ अस्पताल लाया गया, जहाँ टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार और अन्य ने इमरजेंसी मे भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। घायलों मे किशोर मेघवाल, निवासी रोडू, भरत मेघवाल, वार्ड 1 सुजानगढ़, रुपसिंह, निवासी डूंगर बालाजी, लक्ष्मण सिंह, निवासी खानपुर के नाम शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता और भारतीय सेना के सम्मान में मातृशक्ति ने रविवार को शहर में भाजपा नेत्री व जिला संयोजक भारती मुदगल के नेतृत्व में पूर्व सरपंच पवन सिंह कुसुमदेसर व पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद इंदौरिया के सानिध्य में सैकड़ो महिलाओं ने भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा पोद्दार गेस्ट हाउस से रवाना हो कर घंटाघर स्थित भैरव बाबा के मंदिर तक पहुंची, वहीं व्यापारियों ने जगह-जगह अपने प्रतिष्ठानों से पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारतीय सेना जिंदाबाद, वंदे मातरम व भारत माता की जयकार के नारे लगाते हुए डीजे की धुन पर नाचते गाते हुए उत्साह के साथ यात्रा निकाली। इस अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर यात्रा की जिला संयोजक भारती मुद्गल ने कहा कि किसी ने सच ही कहा है कि भारतीय तिरंगा हवा से नहीं बल्कि भारतीय सेना के जवानों की सांसों से लहराता है। उनके शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस से आज भारत माता का मस्तक पूरे विश्व में ऊंचा हुआ है। भाजपा नेता अरविंद इंदौरिया व पूर्व सरपंच पवन सिंह कुसुमदेसर ने भी संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने भारतीय नारी की शक्ति को चुनौती दी थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी सेना को खुली छूट देकर कड़ी कार्यवाही करवाते हुए आतंक और आतंकवादियों के फन को कुचलने के साथ कड़ा प्रहार किया। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन रहा। जिसने पाकिस्तान की जड़ों को ही हिला कर रख दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रकाश चंद्र पारीक, जिला उपाध्यक्ष सुप्यार चारण, मंजू बानो, शंकरलाल कम्मा, मोहनलाल बबेरवाल, मदनलाल सैनी, पूरणमल गोदारा, भरत सैनी, मनोज जोशी, युवा नेता अनूप पीपलवा, मनोज हारित, संतोष कुमार जोशी, नेमीचंद हारित, संतोष महर्षि, राजेंद्र सांखला, बंशीधर स्वामी, राकेश सोनी, पुष्कर स्वामी, कन्हैयालाल स्वामी, गोविंद रक्षक, भंवरअली बिसायती, सूरजमल स्वामी, रामगोपाल पारीक, रामगोपाल चौधरी, उम्मेद दर्जी, महेश भार्गव, पवन फूलभाटी, राधेश्याम महर्षि, बुल्ला भाटी, ललिता देवी, मीना, संजू, राधा, मीरा, मनीषा, चन्दा, मोहनी, मैना, साधना, रेहाना, सबिना, गुलज़ार बानो, साहिदा, मेघा, वीणा, रेखा, सरोज, सरस्वती, माला, रोहिणी, संगीता, कौशल, रचना, डाली बाई, मन फुल, सुनीता, दीपा शर्मा, चन्द कला, शर्मिला, चम्पा, केली देवी, कंचन देवी,राजकुमारी, सपना, शोभा, इंदिरा, कल्याणी, राज़ी देवी, लुनी देवी, छैला देवी, रुकमा, नीतू, नीलम सहित सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति के साथ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयप्रकाश ताम्रायत बने श्री गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। श्री परशुराम अतिथि भवन, सूर्य सिनेमा हॉल, चूरू रोड स्थित भवन में रविवार को सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर आम सभा आयोजन किया। निर्वाचन अधिकारी वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा ने बताया कि सर्व प्रथम भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद स्वागत भाषण वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा की ओर बढ़ दिया गया। विनोद चौमाल कोषाध्यक्ष की ओर से गत तीन वर्षों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया उसके पश्चात अध्यक्ष जयकांत बिवाल की ओर से किया गत तीन वर्षों में किए गए कार्य का विवरण प्रस्तुत किया गया। उसके बाद गौड़ ब्राह्मण समाज के उपस्थित सभी सदस्यो की ओर से सर्व सहमति से जयप्रकाश ताम्रायत का अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चयन किया गया। अतिथियों में अंबिका प्रसाद हारित, सागर मल आत्रेय, राजकुमार महर्षि, गौतम महर्षि, जगदीश धर्ड, संतोष बाबू इंदौरिया, भवानीशंकर शर्मा, जयकांत बिवाल, बनवारी लाल हरितवाल, भजन लाल इंदौरिया, राजकुमार चाकलान, बनवारी लाल महर्षि, कन्हैयालाल चौमाल रहे। इस मौके पर मंचासीन अतिथियों में अंबिका प्रसाद हारित, सागर मल आत्रेय, राजकुमार महर्षि, गौतम महर्षि, जगदीश धर्ड, संतोष बाबू इंदौरिया ने अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंजन ताम्रायत, मनीष शर्मा एडवोकेट, बाबूलाल महर्षि, जयप्रकाश इंदौरिया, कमल कुमार शर्मा ने अपने सुझाव प्रकट किए। इस मौके पर परमेश्वर आत्रेय, जगदेव प्रसाद सांखोलिया, कैलाश चन्द आत्रेय, रामदेव चंदनिया, सुरेन्द्र हारित, जगदीश सिंवाल, ओम प्रकाश सांखोलिया, सुरेंद्र चुलैट, आनंदीलाल निखिल इंदौरिया, विष्णुदत धर्ड, मनोज चोमाल, रोहित लाटा, गिरीश शर्मा निर्मल हारित मनोहर चोमाल कान्हा ताम्रायत सहित सैकड़ों लोगों उपस्थिति रहे। कार्यक्रम समापन पर शांति पूर्वक निर्वाचन करवाने पर निर्वाचन अधिकारी वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा, वासुदेव चाकलान, व एडवोकेट प्रमोद इंदौरिया का समिति की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश बोगड़, धीरेन्द्र शर्मा की ओर से किया गया। समिति के पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल इंदौरिया के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

योग के साथ घरेलू नुस्खों के उपायों से शरीर को स्वस्थ बनाया जा सकता हैः योगाचार्य डॉ. शर्मा

शहर के विभिन्न स्थानों पर योग शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुर्वेद विभाग की ओर से होने वाले जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम को लेकर शहर के विभिन्न स्थानों पर चल रहे योग शिविर में योग के माध्यम से शहरवासी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। आयुर्वेद उपनिदेशक सत्यवीर सिंह ने बताया कि आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला मुख्यालय पर नेचर पार्क, इंद्रमणि पार्क, योग व प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, आपणी पाठशाला व अग्रसेन नगर पार्क में योग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को अग्रसेन नगर पार्क में त्रिनेत्र योग धाम के योगाचार्य डॉ. मनोज शर्मा व अरविंद सिंह राठौड़ के नेतृत्व में योग शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. मनोज शर्मा ने उपस्थित लोगों को शरीर को स्वस्थ रखने के घरेलू नुस्खे व उपाय बताए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इस भागमभाग भरी जिन्दगी में लोग अपने शरीर व खान-पान का ध्यान नहीं रखते हैं और अनेक बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। अतः हमें अपने दैनिक कार्यों के साथ-साथ योग के माध्यम से शरीर पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान योगाचार्य डॉ. शर्मा ने सूक्ष्म योग क्रियाओ का अभ्यास करवाया। इसमें ढ़ोलक ताली योग के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि इससे हथेलियों व दोनों पैरों पर एक्यूप्रेशर से शरीर के ब्लड र्स्कुलेशन को सक्रिय किया जा सकता है। इस दौरान अग्रसेन नगर विकास समिति के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, परिषद अध्यक्ष उमेशचंद्र चौहान, विमल कुमार भटनागर व निरंजन चोटिया ने योगाचार्य डॉ. मनोज शर्मा का प्रतीक चिन्ह् प्रदान कर अभिनंदन किया। योग प्रशिक्षक अरविंद सिंह राठौड़ ने कहा कि अधिक से अधिक व्यक्तियों को इस योग शिविर में भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर प्रमोद कुमार गौड़, सज्जन लाटा, दुलीचंद सोनी, पुनित लाटा, हुक्कमचन्द गौड़, जगमोहन महर्षि, संदीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व बच्चें उपस्थित रहे।

राजस्थान स्कूल में प्रतिभावन विद्यार्थियों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा में रविवार को स्कूल प्रांगण में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक हरलाल सिंह मोगा ने बताया कि इस वर्ष के बोर्ड परीक्षा परिणाम में विज्ञान संकाय में छात्र द्रुप कुमार जानू सुपुत्र राकेश कुमार ग्राम बहादुरवास हाल निवास मंडावा ने 97.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडावा ब्लॉक टॉप किया। इसके साथ ही विशाखा सुपुत्री दयाशंकर शर्मा निवासी मंडावा ने 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडावा द्वितीय टॉपर रही और भावना पुत्री राजकुमार निवासी तेतरा ने 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडावा तृतीय टॉपर रही। इसके अलावा तीनों संकाय में 23 विद्यार्थियों ने 90% से ऊपर अंक प्राप्त कर मंडावा में इतिहास रचा। विद्यालय सचिव सुभाष चंद्र मोगा ने बताया कि तीनों संकाय में सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की व कक्षा 10 में सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। इस अवसर पर मोहर सिंह, महावीर सिंह, विकास, बिजेंद्र सिंह, रोहिताश, शैलेश, अजय, अशोक पुनिया, मूलचंद, नदीम, तैयब, रामावतार, महिपाल, नरेश, महेश, मुकेश, हेमंत, राकेश, अनीता, मनोज, निशा, अशोक कालेर, दीनदयाल सैनी, शशिकांत, प्रदीप, धर्मेंद्र, महेंद्र, जुगल किशोर व शंकर सिंह आदि उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य अशोक मोगा ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

केहरपुरा खुर्द गांव का लाडला बना लेफ्टिनेंट

जयपुर टाइम्स

बगड़/झुंझुनू(निस)।। गांव केहरपुरा खुर्द का लाडला कुणाल शर्मा लेफ्टिनेंट बने है। शनिवार को आईएनए अजीमाला (केरल) में हुई पासिंग आउट परेड में उसे लेफ्टिनेंट का परमिशन मिला है। कुणाल शुरू से ही मेघावी छात्र रहा है। वह शुरू से इंजीनियर बनने के सपने संजोए हुए था। उसने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बगड़ में पूरी की। उसके बाद आईआईटी भुवनेश्वर से बीटेक करने के लिए दाखिला दिया था। भुवनेश्वर में दो साल तक पढ़ाई करने के साथ-साथ कुणाल ने एनडीए के लिए तैयारी की। मार्च 2021 में कुणाल ने अपनी मेहनत के बल पर एनडीए परीक्षा में सफलता हासिल की और आपकी सफलता का परचम ले रहा है। कुणाल के पिता नंदकिशोर शर्मा जो पैशे से वकील(लोकअभियोजक) है और माता रंजू शर्मा ने बेटे की सफलता पर कुणाल को रैंक लगाकर सम्मानित किया।

होटल बुकिंग के नाम पर ठगी, आर्मी अफसर बन फंसाते, डीग की पहाड़ियों में छुपे 4 साइबर ठग गिरफ्तार

भरतपुर(निस)। डीग के साइबर ठगों ने पश्चिम बंगाल में होटल की बुकिंग के नाम पर 70 हजार की ठगी की। वे आर्मी ऑफिसर और पुलिस के अधिकारी बनकर लोगों को फंसाते और ठगी करते थे। शनिवार को जिले की खोह थाना पुलिस को सूचना मिली कि थाना इलाके के गदड़वास गांव में अलीपुर की पहाड़ियों की तलहटी में छुपे ये ठग साइबर ठगी कर रहे हैं। खोह थाना इंचार्ज महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया- शनिवार को मुखबिर से सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची तो 6 युवक बैठे मिले। वहीं दो ट्रैक्टर और दो बाइक भी खड़ी थी। पुलिस को देख सभी लोग भाग खड़े हुए। टीम ने पीछा कर 4 युवकों को दबोच लिया। दो आरोपी भागने में कामयाब रहे। चारों आरोपियों की तालशी में 9 मोबाइल, 7 कार्ड, 1 बैंक पासबुक, 3 फर्जी सिम और 3 लाख 86 हजार रुपए कैश मिले। आरोपियों से पूछताछ और मोबाइल की जांच में इनके साइबर ठग होने के सबूत मिले।

छोटी कहानियों से समाज पर बड़ा व्यंग्य करती है डॉ. कच्छावा की 'मर्यादा'

जयपुर टाइम्स

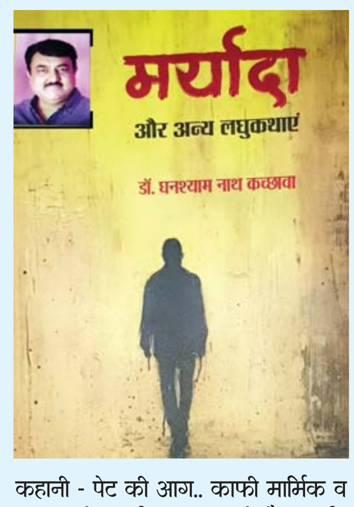

सुजानगढ़(नि.सं.)। लोक जीवन और सांस्कृतिक मूल्यों को हासिल करने के लिए लघुकथा अपने आप में बड़ा व्यंग्य हो सकती है। इसी का परिणित रूप डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा द्वारा लिखी गई लघुकथा संग्रह की पुस्तक "मर्यादा" में देखने को मिलता है। कम शब्दों में बड़ी बात कह जाना लघु कथा की खासियत होती है और इसी दौरान संदेश या प्रेरणा छोड़कर कुछ शिक्षा हासिल करने की हसरत पैदा कर देना डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा की लघुकथा की विशेषता रही है। मसलन अगर अजनबी कथा को पढ़ा जाए, तो पता चलता है कि इंटरनेट के युग में लोग काल्पनिक मित्रता के मायाजाल में कुछ इस कदर जकड़े हैं, कि वास्तविक दुनियां के रिश्तों की परवाह करना आज अपने आप में काफी बड़ा बुनियादी सवाल बनकर सामने आने लगा है। आराम और विलासिता की तुलना में मेहनत और आवश्यकता की जिन्दगी को बेतहर बताती कहानी - पेट की आग.. काफी मार्मिक व समय की प्रासंगिकता लगती है। प्रकृति सबके लिए कुछ न कुछ सोचकर रखती है और सामान्य सी नजर आने वाली चीजें किसी के जीवन की नीति निर्धारक हो सकती हैं, अगर ऐसा वाकया पढ़ना हो तो हमें कहानी - भरण पोषण.. से अच्छी मिसाल नहीं मिल सकती। जहां पर कबूतरों के लिए दाना खरीदने वाले लोग अनजाने में ही सही, किसी बुढ़िया के परिवार पालन का जरिए बने हुए हैं। सामान्य ज्ञान और देश दुनिया की जानकारी के प्रति युवाओं के मोह भंग पर व्यंग्य करती कहानी 'अखबार' स्मार्ट फोन की दुनिया पर करारी चोट करती है। बेटी के महत्व को रेखांकित करती कहानी "बेटी" रिश्तों में स्वार्थ, औपचारिकता और अपनेपन के फर्क को साफ रेखांकित करती है। वहीं इंसान के मरने के बाद भी जाति के नाम पर जिन्दा लोगों की ओर से किए जाने वाले अन्दर को रेखांकित करती "बिरादरी" कथा आधुनिक समाज को आईना दिखाती नजर आती है।

चार लाईनों की कहानी "बहु" औरतों की सामाजिक दशा और उनके प्रति सास के रवैये का सटीक चित्रण करती है। देखने वाली बात ये है कि कम शब्दों के संवाद में आदर्श समाज के लिए जरूरत की बात इसमें काफी आसानी से बता दी गई। तपस्या और पीड़ा से नव सृजन को नसीहत कहानी में बताया गया। वहीं आधुनिक न्यायिक प्रणाली में न्याय, न्यायिक फैसले और इंसानी प्रसिद्धी को रेखांकित करती कहानी प्रतिष्ठा काफी बड़ा व्यंग्य नजर आती है। लवबाजी की हवाओं में आकर युवक-युवतियों की ओर से मां बाप को नीचा दिखाने की पीड़ा संतान लघुकथा में उजागर होती है। तो मातृत्व प्रेम और मां का मन.. रिश्ते, अपनापन और जरूरत के बीच फर्क की लाईन खींचती हैं। बच्चों के शोषण को "कलम" में उजागर किया गया है। हजारों सालों की सभ्यता और आधुनिक समाज होने का दावा करते लोगों की पोल खोलने के लिए एक कहानी काफी कारगर नजर आती है -थाली की आवाज। थाली की आवाज मन मस्तिष्क को मजबूर करती है कि आखिर लड़के-लड़के फर्क को अब तक हम खत्म क्यों नहीं कर पाए हैं। परिजनों के प्रति अमानवीय व्यवहार पर सटीक चोट करती नजर आती है - जिम्मेदारी। किसानों की दुर्दशा बताती फसल बीमा पूरी हकीकत है। इसी प्रकार अबोध बालक के प्रश्नों पर बुद्धिमान पिता के निरूतर हो जाने पर लिखी दाह संस्कार अलग छाप छोड़ने में कामयाब रहती है। कुल मिलाकर देखें तो छोटी-छोटी कहानियां समाज में बड़ा सवाल रखती हैं और एक आदर्श मूल्य की मांग पर व्यंग्य की चोट करती हैं। अन्य कहानियां भी काफी प्रेरक हैं। समाज में जितना शिक्षा और आधुनिकता का विकास हुआ है, उतने ही नैतिक मूल्य कम होते गए और कई मामलों में तो खत्म भी नजर आते हैं। ऐसे में आधुनिकता की दौड़ में खिसकती लोक परम्पराएं, अदब भरा जीवन, समाज की वास्तविक जरूरतें समझने के लिए मर्यादा जरूर पढ़नी चाहिए। मर्यादा को सच्चे मायनों में कहें, तो मर्यादित आचरण की डिमांड अपने आप मन में उठ जाती है। मर्यादा को पढ़ने से हम मर्यादित हो जाएंगे, इस बात का तो पता नहीं। लेकिन इस बात का बोध अवश्य हो जाता है कि हमारी और हमारे समाज की वास्तवित मर्यादा क्या है? 64 लघु कहानियों का यह संग्रह समाज के लिए बड़ा प्रेरणास्त्रोत है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गत रात्रि को रतनगढ़ रोड़ पर हुए सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ किशनगढ़ मेगा हाईवे पर साधा की ढाणी के पास मोटरसाइकिल से छापर की ओर आ रहे थे। रास्ते मे तीनो युवक मोटरसाइकिल रोक कर उसके पास खडे थे। विशाल पुत्र विमल शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड 17, अनुराग पुत्र सुरेश शर्मा उम्र 28 वार्ड 4, सुनील पुत्र भँवरलाल जाट उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड 17, तीनो निवासी छापर को छापर साइड से आ रहे ट्रॉले ने टक्कर मार दी। जिन्हे 108 और टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार और अन्य की सहायता से सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी मे ले जाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने सुनील और अनुराग को मृत घोषित कर दिया। जबकि विशाल का उपचार जारी है। छापर पुलिस ने ट्रोले को पल्लू के पास जप्त कर दिया। छापर पुलिस थाना के एएसआई धर्मवीर ने सुजानगढ़ अस्पताल पहुंच कर परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पोस्टमार्टम कराकर दोनों युवकों के शव परिजनों को सौंप दिए।

पत्रकार संघ ने किया किशोर दास स्वामी का अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भारत भूमि नमन यात्रा से लौटे पत्रकार किशोर दास स्वामी का पत्रकार संघ सुजानगढ़ की ओर से स्टेशन रोड़ स्थित खांडल भवन में स्वागत व सम्मान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में किशोर दास स्वामी ने अपनी यात्रा के संस्मरण बताते हुए विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक व प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही देश को एकजुटता के सूत्र में पिरोये रखने वाले अपनत्व के भाव के अहसास की अनुभूति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ममता और अपनत्व ही इंसान का मूल गुण है, जिसे हमें बनाए रखते हुए देश के विकास में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा, विलियम विल्सन, मनीष शर्मा, शैलेन्द्र लाटा, सुनील स्वामी, अमित प्रजापत, तनुज लाटा, धर्मेन्द्र शर्मा, मनीष सोनी, राजकुमार चोटिया आदि ने साफा पहनाकर, फूल मालाओं से लादकर, मोतियों की माला पहना कर किशोर दास स्वामी का स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन अमित प्रजापत ने किया।

हर घर नल का सपना अब भी अधूरा, सूरजगढ़, पिलानी और सिंघाना में स्थिति खराब

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जल जीवन मिशन के तहत झुंझुनूं जिले में हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य अभी अधूरा है। मिशन की शुरुआत से अब तक जिले में महज 51.38 प्रतिशत घरों तक ही नल कनेक्शन पहुंच पाया है, जबकि 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। मिशन की प्रगति बेहद धीमी है। हाल ही में जिले के दौरे पर आए जल अभियांत्रिकी एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए जलदाय विभाग के अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। सूरजगढ़, पिलानी और सिंघाना ब्लॉकों में पानी की समस्या सबसे गंभीर बनी हुई है। यहां जल जीवन मिशन की प्रगति बेहद चिंताजनक है। इन ब्लॉकों में नल कनेक्शन की दर 30 प्रतिशत से भी कम है। इसके विपरीत, अलसीसर ब्लॉक में मिशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जहां 95.88 प्रतिशत घरों को नल से जल मिल रहा है। मंडावा भी अच्छी प्रगति के साथ दूसरे स्थान पर है।

उच्च रक्तचाप जागरूकता कार्यक्रम पर संगोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

सूरतगढ़(निस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एनसीडी क्लीनिक की ओर से चलाए जा रहे उच्च रक्तचाप जागरूकता कैंपेन के अंतर्गत 1 जून को स्वाध्याय सूरतगढ़ में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें एनसीडी काउंसलर दीपक शर्मा ने बताया कि उच्च रक्तचाप के रोगियों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है जिसका कारण हमारी दिनचर्या और खान-पान है। अगर हम प्रतिदिन 30 मिनट योग, व्यायाम करें और ज्यादा घी, तेल, नमक वाले भोज्य पदार्थों का त्याग करें तो उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर सकते हैं। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच जरूर करवाएं क्योंकि हम स्वस्थ होंगे तभी हर क्षेत्र में अपना 100 प्रतिशत योगदान दे सकते हैं। संगोष्ठी में स्वाध्याय सूरतगढ़ के डायरेक्टर और मार्गदर्शक सुमेर सिंह शेखावत ने कहा कि एनसीडी क्लिनिक की ओर से उच्च रक्तचाप जागरूकता को लेकर जो गतिविधियां आयोजित की जा रही है उससे आमजन में निश्चित रूप से जागरुकता आएगी।

विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश की भाजपा सरकार : डिप्टी सीएम बैरवा

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। बीकानेर जाते समय उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अल्प प्रवास पर रतनगढ़ रुके। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेश सैनी के नेतृत्व में स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया। उपमुख्यमंत्री का साफा, सॉल और पार्टी के दुपट्टे पहनाकर सभी कार्यकर्ताओं की ओर से अभिनंदन किया गया। उप मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत परिचय किया। प्रेमचन्द बैरवा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रही है। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री के विजन पर काम कर रही है। प्रदेश की 8 करोड़ जनता ने जो हम पर भरोसा जताया है, हम उसे पर खरे उतरेंगे यह आमजन की सरकार है। उनके

साथ पधारे बीकानेर देहात भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम पंचारिया का भी साफा सॉल और दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर शहर मंडल अध्यक्ष महेश सैनी, विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा, जिप सदस्य संतोष तालणियाँ, वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट बजरंग गुर्जर, दीनदयाल पारीक, हरिप्रसाद दायमा, जगजीत सिंह, राजकुमार महर्षि, किशनलाल घोड़ेला, सलीम खान, हनीफ खत्री, प्रदीप सैनी, नरेंद्र इंदौरिया, श्योपाल मेघवाल, महावीर महर्षी, सुरेन्द्र सिंह राजवी, गिरधारी प्रजापत, राजेंद्र हर्षवाल, स्वरूप सिंह सेहला, गुलाब सांसी, महेश जांगिड़, राकेश गौड़, महेंद्र उपाध्याय, रामदेव चंदनिया, निखिल इंदौरिया, मनोज चौमाल, गिरीश शर्मा, मनोहर चौमाल, धन्नाराम माली, बलवीर स्वामी, सुनील कम्मा, महेश इंदौरिया, सोमदत्त शर्मा, हेमंत पंवार, शैलेन्द्र तालणियां, बादल महर्षि, बलवीर, मेजर सिंह, विक्रम सिंह, रघुनंदन ताम्रायत, सुशील शर्मा, महिपाल सिंह, ओम महर्षि, हेमराज मुरारका, प्रतीक महर्षि सहित दर्जनो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन अरूण शर्मा ने किया।

हाइटेक टेक्नोलॉजी से घर-घर कचरा संग्रहण करेंगे ऑटो टीपर

नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी ने हरि झंडी दिखाकर किए ऑटो रवाना

शहर में एक बार फिर घर-घर कचरा संग्रहण के लिए ऑटो तैयार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की सफाई व्यवस्था अब ओर मजबूत होगी। इसको लेकर सरदारशहर नगरपरिषद ने 27 नए ऑटो टीपर तैयार कर घर घर कचरा संग्रहण को लेकर एक नया नवाचार किया है। सभापति राजकरण चौधरी, पार्षद राजूनाथ सिद्ध ने नगरपरिषद के आगे से ऑटो टीपर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए। सरदारशहर नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए हम संकल्पित हैं। सरदारशहर में हमारी ओर से एक नवाचार किया गया है और हमारा मकसद है कि हर घर के आगे ऑटो टिपर जाए और हर घर से कचरा संग्रहण हो। इसके लिए हमने हाईटेक व्यवस्था करने का प्रयास किया है। आने वाले पांच सात दिनों में हर घर के आगे संवेदक की ओर से एक चिप लगाई जाएगी और वह चिप इस बात का सबूत देगी की कचरा संग्रहण करने के लिए ऑटो टिपर उस घर के आगे गया या नहीं। ऑटो टिपर पहुंचने से 15 मिनट पहले वह चिप संकेत देगी की कचरा संग्रहण करने के लिए ऑटो टिपर आ रहा है। जिसके चलते सबको यह पता चल जाएगा की ऑटो टिपर आ रहा है। जिसके चलते हर व्यक्ति अपना कचरा बाहर निकाल कर तैयार रखेगा। उन्होंने कहा कि हमारी ओर से एक ऐप भी लॉन्च किया गया है। अगर किसी दिन ऑटो टिपर नहीं आता है तो उसे एप के जरिए शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। इसके अलावा उस एप में शहरवासी अपने अन्य सुझाव भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग इन ऑटो टिपर में गोबर डालते हैं। उसके कारण यह ऑटो टिपर खराब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी शहरवासियों से अपील करता हूं कि यह अभियान घर में होने वाले कचरे को संग्रहण करने के लिए है। गोबर डालने के लिए नगरपरिषद की ओर से ट्रैक्टर की अलग से व्यवस्था की जाएगी। जिन वार्ड पार्षदों से ट्रैक्टर के लिए सुझाव आएगा वहां नगरपरिषद की ओर से गोबर उठाने के लिए ट्रैक्टर भेजे जाएंगे। नए ऑटो टीपर लगने से अब शहर की सफाई व्यवस्था ओर अच्छी होगी। शहर के सभी 55 वार्डों में घर घर कचरा संग्रहण यह ऑटो टीपर करेंगे। इससे शहर की सुंदरता में चार चांद लगेंगे। घर-घर कचरा संग्रहण की नियमित रूप से निगरानी भी की जाएगी।

झुंझुनूं के गुढ़ागौड़जी में ओवरलोड डंपर ने राहगीर को कुचला

शव बुरी तरह क्षत-विक्षत, प्लास्टिक के कट्टे में डालकर भिजवाया मॉर्च्युरी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। गुढ़ागौड़जी कस्बे से रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे हो गया। कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहे एक राहगीर को ओवरलोड और तेज रफ्तार डंफर ने कुचल दिया। यह हादसा इतना भीषण था कि मृतक के शव की हालत पहचान के लायक नहीं बची। सिर बुरी तरह कुचलने से शव क्षत-विक्षत हो गया, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह हादसा रविवार सुबह करीब 8 बजे हुआ। मृतक व्यक्ति मुख्य बस स्टैंड पर खड़ा होकर बस का इंतजार कर रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार और ओवरलोड डंफर ने उसे सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। शव को अस्पताल पहुंचाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। शव को प्लास्टिक के कट्टे में डालकर गुढ़ागौड़जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मोर्चरी में भिजवाया गया। मृतक की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है क्योंकि सिर बुरी तरह कुचल जाने से चेहरा पहचान के योग्य नहीं बचा। पुलिस अब शव की पहचान के लिए आस-पास के गांवों में जानकारी जुटा रही है और लोगों से संपर्क कर रही है। इधर हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों में गुस्सा था कि कस्बे में भारी वाहनों की आवाजाही पर कोई नियंत्रण नहीं है। आए दिन ऐसे ओवरलोड और तेज रफ्तार वाहन मुख्य मार्गों और स्टैंड के पास से गुजरते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया जाए और डंफरों पर अंकुश लगाने के लिए नियमित जांच की व्यवस्था की जाए।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खेजडावास में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 1.59 लाख रुपए की दी मंजूरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को झोटवाड़ा क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य की सौगात दी है। झोटवाड़ा विधायक ने जिले के खेजड़ावास में ?1.59 करोड़ की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को मंजूरी दिए जाने की जानकारी दी है। राज्य सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम से झोटवाड़ा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और स्थानीय लोगों को उनके घरों के नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। जिससे जिले के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। इस नए पीएचसी से खेजड़ावास के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि पहले उन्हें किसी भी जांच के लिए नजदीकी अस्पताल जाना पड़ता था, इसके बनने से अब उन्हें सामान्य उपचार, टीकाकरण और विभिन्न जांचों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस केंद्र के बनने से स्थानीय नागरिकों को बेहतर, सुलभ और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत' और सीएम भजनलाल शर्मा के 'विकसित

राजस्थान' के संकल्प को साकार करते हुए इस पहल को झोटवाड़ा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय डबल इंजन सरकार की उस नीति का प्रमाण है, जिसमें केंद्र और राज्य मिलकर आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। पीएचसी की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र की जनता ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि पिछले डेढ़ वर्षों में झोटवाड़ा का समग्र विकास निरंतर हो रहा है, और यह नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उसी श्रृंखला की एक मजबूत कड़ी है।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का किया अभूतपूर्व स्वागत

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रथम बार राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा जयपुर से बीकानेर जाते समय राजलदेसर विनायक होटल पर अल्पकाल के लिए रूके। उनके साथ श्याम पंचारिया देहात जिलाध्यक्ष बीकानेर थे। जहां कार्यकर्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष विष्णु भगवान प्रजापत के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। जिसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व भारतीय जनता पार्टी आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील है केन्द्र व राज्य सरकार की महत्वकांशी योजना का आखिर क्षोर पर बैठ लोगों तक लाभ पहुंचाने का कार्य करते। उन्होंने मीडिया में उठाए प्रश्न नहीं सहेगा राजस्थान के साथ भाजपा सत्ता में आई जिसके बाद भी धरातल पर अवैध खनन, अवैध निर्माण, अवैध कालोनियों सहित अनेक अवैध व्यापार पर कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल इनके अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त है जिस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व पालिकाध्यक्ष गोपाल मारू, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन बोथरा, धनपत शर्मा, मुकेश मारू, कुलदीप स्वामी, राजेश गर्ग, मुकेश मारू, इन्द्रचन्द्र देवड़ा, सांवरमल खटीक, शंकरलाल खण्डोलिया, भवानी मंत्री, राम धेतरवाल, प्रकाश भार्गव, खेमराज पारीक, भगवान राम प्रजापत, रामलिलडिया, दिनेश नाई, नोरतन आचार्य, पवन माली, पवन प्रजापत, दीपाराम जाट सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झुंझुनूं में बंद मकान का ताला तोड़ ज्वेलरी चुराई

अलमारी में रखे थे 4 लाख के गहने

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं शहर के मिल्लत नगर इलाके में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। चोरों ने वार्ड नंबर 17 में स्थित एक घर में सेंध लगाकर अलमारी से करीब 4 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। चोरी की यह वारदात उस वक्त हुई जब घर के सदस्य बाहर गए हुए थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। घटना मिल्लत नगर स्थित अबू बकर मस्जिद के

पास की है, जहां अब्दुल वहाब पुत्र मोहम्मद सफी का घर स्थित है। चोरी के समय घर बंद था, और इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। घर की मालकिन तबस्सुम पत्नी अब्दुल वहाब ने बताया कि बच्चों के स्कूल की छुट्टियों के चलते अपने पीहर मोहल्ला काज़ीवाड़ा (मदीना मस्जिद के पास) चली गई थी। ससुराल लौटीं, तो देखा कि घर की खिड़कियां टूटी हुई थीं। यह देखकर अनहोनी का अंदेशा हुआ। जल्दी से दरवाजा खोलकर जब अंदर पहुंची तो पाया कि घर के सभी कमरों के ताले टूटे हुए थे, अलमारी का लॉक भी टूटा हुआ मिला और कमरे का सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर में पूरी तरह से तोड़फोड़ की गई थी। चोर अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने ले गए, इनकी अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये थी। घटना की जानकारी तबस्सुम ने अपने परिवार वालों को दी, जिसके बाद तबस्सुम के छोटे भाई सैय्यद जिब्रान ने तुरंत स्थानीय पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज करवाई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मौके का मुआयना किया। पुलिस ने टूटे हुए ताले, खिड़कियों और बिखरे हुए सामान की तस्वीरें लीं और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि चोरों को घर के बंद होने की पहले से जानकारी थी और उन्होंने पूरा मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया। कोतवाली थानाधिकारी हरजिंदर सिंह का कहना है कि इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को शक है कि इस वारदात में स्थानीय जानकारी रखने वाले किसी व्यक्ति की भूमिका हो सकती है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।